हिन्दी दैनिक

लखनऊ जंक्शन

RNI NO.-UPHIN/2015/64743 Email-lkojunction@gmail.com

वर्ष: 11 अंक: 143 लखनऊ, बुधवार 14 जनवरी 2026 पृष्ठ: 04 मूल्य: 01 रूपये

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली के जिम में हुई ताबड़तोड़ फायरिंग, लॉरेंस बिश्नोई गैंग पर लगा आरोप

एजेंसी

नयी दिल्ली। बाहरी दिल्ली के पश्चिम विहार स्थित एक जिम में अज्ञात हमलावरों ने गोलीबारी की जिससे इलाके में दहशत फैल गई। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना में कोई घायल नहीं हुआ है। घटना सोमवार और मंगलवार की दरम्यानी रात में हुई। लॉरेंस बिश्नोई गिरोह ने कथित तौर पर सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए गोलीबारी की जिम्मेदारी ली है। पोस्ट के अनुसार, जिम को इसलिए निशाना बनाया गया क्योंकि गिरोह द्वारा जिम के मालिक को किए गए फोन का कोई जवाब नहीं मिला था। पुलिस ने कहा कि वे पोस्ट की प्रामाणिकता की पुष्टि कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि आर के जिम में हुई गोलीबारी की सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और इलाके को घेर लिया। उन्होंने बताया कि सबूत जुटाने के लिए फोरेंसिक टीम को भी बुलाया गया था। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, "मौके से एक कारतूस बरामद किया गया है। मामला दर्ज कर लिया गया है तथा हमलावरों की पहचान और उन्हें पकड़ने के लिए कई टीम गठित की गई हैं।"

गुजरात हाइकोर्ट ने अरविंद केजरीवाल की याचिका खारिज की, पीएम मोदी की डिग्री से जुड़ा मामला, संजय सिंह से अलग ट्रायल की मांग की थी

एजेंसी

अहमदाबाद। गुजरात हाइकोर्ट ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गुजरात यूनिवर्सिटी डिग्री से जुड़े मानहानि मामले में आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की याचिका खारिज कर दी। केजरीवाल ने इस मामले में पार्टी नेता संजय सिंह से अलग ट्रायल चलाने की मांग की, जिसे अदालत ने स्वीकार करने से इनकार कर दिया। जस्टिस एमआर मेंगदे ने मंगलवार को आदेश सुनाते हुए कहा कि यह याचिका खारिज की जाती है। हालांकि, कोर्ट के आदेश की पूरी प्रति आना बाकी है। हाइकोर्ट ने इस मामले में अपना फैसला पिछले महीने सुरक्षित रख लिया था। केजरीवाल ने कहा था—आरोप अलग—अलग घटनाओं से जुड़े केजरीवाल ने याचिका में कहा था कि उन पर साजिश रचने या आपराधिक इरादे को बढ़ावा देने का कोई आरोप नहीं है।

हम सिर्फ संभावनाओं की बात नहीं करते, परिणाम भी देते हैं : सीएम योगी

गोरखपुर महोत्सव के औपचारिक समापन समारोह में बोले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

माफियामुक्त होकर विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा उत्तर प्रदेश : सीएम योगी

सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति से प्रदेश में हो रहे व्यापक परिवर्तन : सीएम योगी

बीएनई

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हम उत्तर प्रदेश में निहित संभावनाओं की सिर्फ बात नहीं करते, बल्कि दृढ़ इच्छाशक्ति से संभावनाओं के अनुरूप परिणाम भी देते हैं। सरकार की इच्छाशक्ति का ही परिणाम है कि आज उत्तर प्रदेश माफियामुक्त, दंगामुक्त होकर विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। सीएम योगी मंगलवार अपराह्न गोरखपुर महोत्सव के औपचारिक समापन समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। रामगढ़ताल के सामने चंपा देवी पार्क में महोत्सव के मुख्य मंच से मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की इच्छाशक्ति से प्रदेश में व्यापक परिवर्तन देखने को मिल रहा है। सरकार के प्रयासों से नौजवानों को रोजगार मिल रहा है। अन्नदाता किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आ रहा है। उद्यमियों, व्यापारियों को भयमुक्त वातावरण में कारोबार बढ़ाने का अवसर मिल रहा है। बहन—बेटियों को मुस्कुराते हुए स्कूल—बाजार जाने का माहौल मिल रहा है। आज किसी ने बहन—बेटियों की राह में बाधा डालने का दुस्साहस किया तो अगले चौराहे पर यमराज उसका टिकट काटने को तैयार मिलेंगे। यह तभी संभव हो रहा है जब सरकार में जनसेवा करने की दृढ़ इच्छाशक्ति है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जीवन में सबसे बड़ी ताकत धैर्य और अनुशासन है। हमने कभी धैर्य नहीं खोया। उपेक्षा हुई तो संघर्ष का रास्ता अपनाया। इंसेफेलाइटिस की समस्या पर तत्कालीन सरकारों द्वारा की जा रही उपेक्षा का जिक्र करते हुए सीएम योगी ने कहा कि तब हमने सड़कों पर आंदोलन किया और जब सरकार में आए तो पूरी जिम्मेदारी की भावना के साथ दो वर्षों में इंसेफेलाइटिस का खात्मा कर दिखाया।

विकास की नई बुलंदियों पर गोरखपुर और उत्तर प्रदेश

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज गोरखपुर और उत्तर प्रदेश विकास की नई बुलंदियों पर है। 2017 के पहले भी जब देश आगे बढ़ रहा था तो गोरखपुर पीछे छूट गया था। तुलना की जाए तो 2017 के पहले और इसके बाद के उत्तर प्रदेश और गोरखपुर में जमीन—आसमान का अंतर दिखेगा। 2017 तक प्रदेशभर की तरह गोरखपुर भी उपद्रव, गुंडागर्दी की चपेट में था। गुंडा टैक्स वसूला जाता था। सड़कें जर्जर थीं, बिजली नहीं मिलती थी। गंदगी, बीमारी और इंसेफेलाइटिस का कहर था।

मच्छर और माफिया एक दूसरे के पूरक

सीएम योगी ने कहा कि मच्छर और माफिया एक दूसरे के पूरक होते हैं। एक शरीर को अस्वस्थ करता है तो दूसरा समाज को। जब समाज हर प्रकार की स्वच्छता शारीरिक और सामाजिक, के प्रति जागरूक नहीं होता है तो उसे दुष्परिणाम भुगतने पड़ते हैं।

गोरखपुर और पूर्वी उत्तर प्रदेश के कायाकल्प के अभियान का परिणाम धरातल पर

मुख्यमंत्री ने गोरखपुर की वर्तमान और पूर्व स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि कभी गोरखपुर माफियाराज और गुंडाराज के लिए कुख्यात था। प्रदेश की भी यही स्थिति थी। हर दूसरे—तीसरे दिन प्रदेश में दंगा होता था। व्यापारी, बहन, बेटियां सुरक्षित नहीं थीं। व्यापारी गुंडा टैक्स देने को मजबूर थे। इंसेफेलाइटिस बीमारी चरम पर थी और नौनिहालों को इससे बचाने के लिए कोई पुरसाहाल नहीं था। नौजवान पलायन को मजबूर थे। फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन की उत्तर प्रदेश सरकार ने गोरखपुर और पूर्वी उत्तर प्रदेश के कायाकल्प के लिए जो अभियान शुरू किया, उसके परिणाम आज जमीनी धरातल पर नजर आ रहे हैं।

आठ साल बाद आने वाले पहचान नहीं पाएंगे गोरखपुर सहित यूपी के शहरों को

मुख्यमंत्री ने कहा कि आठ साल पहले यहां आया व्यक्ति यदि आज गोरखपुर आएगा तो यहां विकास से आए बदलाव के चलते शहर को पहचान नहीं पाएगा। ऐसी ही स्थिति अयोध्या, काशी, प्रयागराज को लेकर होगी। आठ साल बाद लखनऊ आए एक व्यक्ति द्वारा बताए गए संस्मरण को साझा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वह व्यक्ति लखनऊ को पहचान ही नहीं पाए। आठ साल पहले जब वह लखनऊ आए थे तब बहुत गंदगी थी, सड़कें संकरी थीं। और, उन्हें सूर्यास्त के बाद घर से न निकलने की सलाह दी गई थी। अब वह देर रात में भी भयमुक्त होकर निकल रहे हैं।

बदलाव ही समृद्धि और खुशहाली का आधार

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बदलाव ही समृद्धि और खुशहाली का आधार है। इसी मंत्र को अपनाते हुए आज जब भारत आगे बढ़ रहा है तो उत्तर प्रदेश और गोरखपुर भी पीछे नहीं है। आज बिना मांगे विकास की योजनाएं लोगों तक पहुंचती हैं। उन्होंने कहा कि पहले कोई सोचता था कि क्या गोरखपुर का खाद कारखाना चल पाएगा, क्या गोरखपुर में एम्स बन पाएगा या क्या बीआरडी मेडिकल कॉलेज फिर से चिकित्सा का बेहतरीन केंद्र बन सकेगा। पर, आज ये सारी बातें हकीकत हैं। कभी अपराध के लिए बदनाम रामगढ़ताल आज बेहतरीन पर्यटन केंद्र बन चुका है।

गोरखपुर में कनेक्टिविटी और इंफ्रास्ट्रक्चर शानदार

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज गोरखपुर में शानदार कनेक्टिविटी और इंफ्रास्ट्रक्चर है। यहां फोरलेन और सिक्सलेन सड़कों का संजाल है। 10 वर्ष पूर्व गोरखपुर से लखनऊ जाने में 8 से 10 घण्टे, अयोध्या और काशी जाने में 6 घण्टे लग जाते थे। आज शानदार रोड कनेक्टिविटी होने से गोरखपुर से लखनऊ की दूरी साढ़े तीन घण्टे में, काशी की दूरी ढाई घण्टे में और अयोध्या की दूरी डेढ़ घण्टे में पूरी हो जाती है। 2017 के पहले गोरखपुर से सिर्फ एक वायुसेवा थी, वह भी कभी कभार ही मिलती थी। आज गोरखपुर से दिल्ली, मुंबई सहित कई प्रमुख शहरों के लिए हवाई सेवा है और दूरी एक से डेढ़ घण्टे में पूरी हो जाती है।

गोरखपुर में हजारों करोड़ रुपये के निवेश से 50 हजार युवाओं को मिली नौकरी

मुख्यमंत्री ने कहा कि सुरक्षा का बेहतर वातावरण बना तो पिछले 8 वर्षों में गोरखपुर में हजारों करोड़ों रुपये का निवेश हुआ और इसके जरिए 50 हजार युवाओं को नौकरी मिली। यदि यह निवेश नहीं होता तो इन युवाओं को पलायन करना पड़ता। जबकि आज उन्हें अपने क्षेत्र में ही नौकरी मिल गई है। पहले गोरखपुर में एक विश्वविद्यालय था, आज चार विश्वविद्यालय हैं। गोरखपुर में प्रदेश सरकार का होटल मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट भी बन गया है। अटल आवासीय विद्यालय में गरीबों के बच्चों को मुफ्त अत्याधुनिक शिक्षा प्राप्त हो रही है।

उपलब्धियां विरासत के साथ विकास यात्रा का शो—केस

सीएम योगी ने कहा कि गोरखपुर और प्रदेश की उपलब्धियां विरासत के साथ विकास की यात्रा का शो—केस हैं। इनकी शो—केसिंग के लिए गोरखपुर महोत्सव एक मंच के रूप में है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जीवन हताशा या निराशा का नाम नहीं है। सामान्य नागरिक बेईमानी नहीं करता। वह अपने परिश्रम और पुरुषार्थ से आगे बढ़ता है। गोरखपुर महोत्सव का मंच ऐसे ही परिश्रमी और पुरुषार्थी लोगों को प्रोत्साहित करता है।

तकनीक मनुष्य के लिए, मनुष्य तकनीक के लिए नहीं

सीएम योगी ने लोगों को आज के दौर में तकनीक की महत्ता समझाई और इसके उचित प्रयोग की सीख दी। उन्होंने कहा कि तकनीक मनुष्य के लिए है, मनुष्य तकनीक के लिए नहीं। तकनीक जीवन में व्यापक परिवर्तन ला सकती है। वर्ष 2017 के पहले राशन न मिलने की शिकायतें आती थीं। राशन वितरण व्यवस्था को तकनीक से जोड़ दिया गया तो समस्या समाप्त हो गई। इसी तरह तकनीक से जनधन योजना को जोड़कर भ्रष्टाचारमुक्त वातावरण बनाया गया।

बच्चों को स्मार्टफोन देना अपराध सरीखा

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने लोगों को स्मार्टफोन के अत्यधिक और अनावश्यक प्रयोग से बचने की सलाह भी दी। उन्होंने कहा, आज अनेक घरों में छोटे—छोटे बच्चों को भी स्मार्टफोन खेलने के लिए दे दिया जाता है। यह अपराध जैसा है। इससे बच्चे जिद्दी और डिप्रेशन के शिकार हो रहे हैं। उन्होंने साइबर फ्रॉड से आगाह करते हुए कहा कि किसी भी अनजाने पर विश्वास न करें। किसी शॉर्टकट के चक्कर में डिजिटल अरेस्ट के धोखे में मत आएं। स्मार्टफोन का जरूरत से अधिक और अनावश्यक इस्तेमाल न करें। जरूरत न होने पर स्मार्टफोन को बंद करके रखें।

अच्छी सड़कें सुगम यातायात के लिए, दूसरे लोक में जाने के लिए नहीं

मुख्यमंत्री ने वाहन चलाते वक्त फोन का प्रयोग करने पर भी सावधान किया। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाएं चुनौती बनी हुई हैं। नौजवान इसकी चपेट में आ रहे हैं। परिवार के परिवार समाप्त हो जा रहे हैं। इसलिए वाहन चलाते वक्त फोन के प्रयोग से बचना होगा। अच्छी सड़कें सुगम आवागमन के लिए बनी हैं, समय से पहले दूसरे लोक में जाने के लिए नहीं। सड़क फर्राटा भरने के लिए नहीं है, बल्कि सावधानी से चलकर अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए है।

सीएम योगी ने दी मकर संक्रांति की बधाई

गोरखपुर महोत्सव के मंच से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी नागरिकों को मकर संक्रांति की बधाई दी। उन्होंने कहा कि मकर संक्रांति के पावन अवसर पर महायोगी गुरु गोरखनाथ के मंदिर में गोरखपुर, पूर्वी उत्तर प्रदेश, नेपाल, बिहार और देश के अनेक हिस्सों से लाखों श्रद्धालु आते हैं। बाबा को आस्था की खिचड़ी चढ़ाते हैं। खिचड़ी से पहले आस्था को नमन करने के लिए गोरखपुर महोत्सव उत्साह और उल्लास का मंच प्रदान कर रहा है।

सीएम योगी के हाथों गोरखपुर रत्न से सम्मानित हुईं छह विभूतियां

गोरखपुर महोत्सव के मुख्य मंच से सीएम योगी ने खेल, विज्ञान, कृषि एवं सामाजिक कार्य में विशिष्ट योगदान देने वाली छह विभूतियों को गोरखपुर रत्न से सम्मानित किया। खेल के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी शिवम यादव, अंतरराष्ट्रीय हैंडबाल खिलाड़ी अनन्या यादव, अंतरराष्ट्रीय पर्वतारोही नीतिश

सिंह, विज्ञान के क्षेत्र में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में जैव प्रौद्योगिकी विभाग के आचार्य प्रो. शरद मिश्रा, कृषि के क्षेत्र में प्रगतिशील किसान अविनाश कुमार मौर्या और सामाजिक कार्य के लिए आर्किटेक्ट आशीष श्रीवास्तव को गोरखपुर रत्न से सम्मानित किया गया। शिवम यादव के फिलहाल मिश्र में एक प्रतियोगिता में शामिल होने की वजह से उनके पिता ने यह पुरस्कार ग्रहण किया। मुख्यमंत्री ने इन सभी द्वारा अपने—अपने क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय कार्य की मुक्तकंठ से सराहना की और उन्हें गोरखपुर का गौरव बढ़ाने वाला बताया। गोरखपुर रत्न से सम्मानित करने के बाद सीएम योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर महोत्सव की स्मारिका अभ्युदय का विमोचन किया।

गोरखपुर महोत्सव से कलाकारों, शिल्पकारों को मिल रहा बड़ा प्लेटफार्म : कमलेश पासवान

इस अवसर पर केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री कमलेश पासवान ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में हो रहे गोरखपुर महोत्सव से शिल्पकारों व कलाकारों को साल दर साल आगे बढ़ने का बड़ा प्लेटफार्म मिल रहा है। इस महोत्सव में स्थानीय प्रतिभाओं को अवसर मिल रहा है तो देश और दुनिया स्तर तक ख्यातिलब्ध कलाकार भी गोरखपुर आकर प्रस्तुति दे रहे हैं। यह सब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में संभव हो रहा है।

यूपी में अपराध खत्म, आया रामराज्य : रविकिशन

गोरखपुर महोत्सव के समापन समारोह में सांसद रविकिशन ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में रामराज्य आ गया है। यहां अपराध खत्म और अपराधी ध्वस्त हैं। यहां महिलाओं, व्यापारियों, रेहड़ी पटरी वालों की सुरक्षा है। यह राज्य विकास, रोजगार, संस्कृति संरक्षण और सम्मान के साथ आगे बढ़ रहा है। योगी जी सनातन और हिंदुत्व के संरक्षक हैं। सांसद ने गोरखपुर महोत्सव के व्यापक स्वरूप का उल्लेख करते हुए कहा कि सीएम योगी के विजन से गोरखपुर महोत्सव सिर्फ सांस्कृतिक आयोजन न होकर कलाकारों, शिल्पकारों के लिए रोजगार महोत्सव बन गया है। स्वागत संबोधन में मंडलायुक्त एवं महोत्सव समिति के अध्यक्ष अनिल ढींगरा ने आयोजन के विभिन्न पहलुओं की विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, विधायक विपिन सिंह, राजेश त्रिपाठी, डॉ. विमलेश पासवान, महेंद्रपाल सिंह, प्रदीप शुक्ल, राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारू चौधरी, भाजपा के महानगर संयोजक राजेश गुप्ता, कालीबाड़ी के महंत रविंद्रदास आदि भी मंच पर उपस्थित रहे।

सीएम ने उठाया मैथिली ठाकुर के सुमधुर भजनों का आनंद

गोरखपुर महोत्सव के समापन समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोक एवं भजन गायिका, विधायक मैथिली ठाकुर के गाए सुमधुर भजनों का आनंद उठाया। भजन सुनने के लिए मुख्यमंत्री मुख्य मंच से उतरकर सामने लगी कुर्सियों की तरफ आ गए थे। मैथिली ठाकुर ने भजन संध्या में अपनी प्रस्तुतियों की शुरुआत 'ले चल अपनी नवरिया अवध बिहारी संवरिया' से की। भजन सुनने के बाद मुख्यमंत्री ने मंच पर जाकर मैथिली ठाकुर को सम्मानित भी किया।

महोत्सव में स्टालों का अवलोकन किया सीएम योगी ने

सीएम योगी ने महोत्सव परिसर में लगी प्रदर्शनियों व विभिन्न विभागों की तरफ से लगाए गए स्टालों का भी अवलोकन किया। उन्होंने कृषि प्रदर्शनी में प्रगतिशील किसानों और पुस्तक मेले में बच्चों से बातचीत की। मुख्यमंत्री ने विज्ञान प्रदर्शनी में विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए मॉडलों का अवलोकन कर उनका उत्साह बढ़ाया। उन्होंने सूचना विभाग और अभिलेखागार की तरफ से लगाई प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

भारत ने संभाली ब्रिक्स 2026 की कमान, विदेश मंत्री ने लॉन्च किये आधिकारिक लोगो व वेबसाइट

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत ने मंगलवार को 10 देशों के समूह ब्रिक्स की अध्यक्षता औपचारिक रूप से संभालते हुए वर्ष 2026 के लिए आधिकारिक लोगो और वेबसाइट लॉन्च की। इस वर्ष के अंत में भारत 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कमल के आकार वाले लोगो और वेबसाइट का शुभारंभ करते हुए कहा कि भारत अपनी अध्यक्षता और इस लोगो के माध्यम से मानवता प्रथम और जन—केंद्रित दृष्टिकोण को आगे बढ़ाएगा। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स की अध्यक्षता के दौरान भारत का प्रयास ब्रिक्स देशों की क्षमता को वैश्विक कल्याण के लिए एकजुट करना होगा। डॉ. जयशंकर ने कहा, जब भारत 2026 में ब्रिक्स की अध्यक्षता संभालने की तैयारी कर रहा है, तो यह इस समूह की यात्रा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। उन्होंने कहा कि 2026 में ब्रिक्स अपनी स्थापना के 20 वर्ष पूरे कर लेगा। इन वर्षों में यह समूह उभरते बाजारों और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के बीच सहयोग के एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में विकसित हुआ है। उन्होंने कहा, बीते सालों में ब्रिक्स ने बदलती वैश्विक चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए अपने एजेंडे और सदस्यता का विस्तार किया है। साथ ही आम जनता को केंद्र में रखने वाला विकास इस समूह की प्राथमिकता रहा है, जिससे बातचीत और व्यावहारिक सहयोग को बढ़ावा मिला है। डॉ जयशंकर ने कहा कि वर्तमान वैश्विक वातावरण जटिल और परस्पर जुड़ी चुनौतियों, भू—राजनीतिक अनिश्चितताओं, आर्थिक विषमताओं, जलवायु जोखिमों और तकनीकी परिवर्तनों से घिरा है। ऐसे में ब्रिक्स एक महत्वपूर्ण मंच बना हुआ है जो अलग—अलग समय पर अलग—अलग देशों की प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए संवाद, सहयोग और व्यावहारिक समाधानों को प्रोत्साहित करता है। उन्होंने लोगो की विशेषता बताते हुए कहा कि इसमें परंपरा और आधुनिकता का समावेश है।

यूपी एमएलए अब्बास अंसारी को एससी से सशर्त जमानत, गैंगस्टर एक्ट में मिली राहत

एजेंसी

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश के गिरोहबंद अधिनियम के तहत एक मामले में विधायक अब्बास अंसारी को अंतरिम जमानत देने के अपने पूर्व आदेश की पुष्टि की। अंसारी दिवंगत गैंगस्टर मुख्तार अंसारी के बेटे हैं। चित्रकूट जिले के कोतवाली कर्वी थाने में 31 अगस्त, 2024 को उत्तर प्रदेश गिरोहबंद और समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1986 के तहत अंसारी और अन्य के खिलाफ जबरन वसूली और मारपीट के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पिछले साल सात मार्च को शीर्ष अदालत ने अंसारी को इस मामले में छह सप्ताह की अंतरिम जमानत दी थी। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत तथा न्यायमूर्ति जे. बागची एवं न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने मंगलवार को अंसारी की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और अधिवक्ता निजाम पाशा की दलीलों पर गौर किया तथा मामले में पहले दी गई अंतरिम जमानत को नियमित कर दिया। मार्च 2025 में शीर्ष अदालत से मिली राहत ने अंसारी की कासगंज जेल से रिहाई का रास्ता साफ कर दिया है। उनके खिलाफ अन्य सभी आपराधिक मामलों में उन्हें जमानत मिल चुकी है। पीठ ने कुछ शर्तें लगाई थीं और बाद में उनमें से कुछ में ढील दी थी, जिनमें यह शर्त भी शामिल थी कि वह जांच अधिकारी की अनुमति के बिना लखनऊ नहीं छोड़ सकते। अंसारी को चार नवंबर, 2022 को अन्य आपराधिक मामलों में हिरासत में लिया गया था।

भारतीय सेना है तैयार, एक हरकत और काम तमाम, बोले आर्मी चीफ जनरल, बॉर्डर पार एक्टिव 8 आतंकवादी कैंप

दिल्ली ब्यूरो

नयी दिल्ली। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने मंगलवार को कहा कि नियंत्रण रेखा के पार अभी भी आठ से 10 आतंकवादी शिविर सक्रिय है जिनमें 100 से 150 आतंकवादी हैं। जनरल द्विवेदी ने सेना दिवस से पहले वार्षिक संवाददाता सम्मेलन में सवालों के जवाब में कहा कि जम्मू कश्मीर के भीतरी इलाकों में भी करीब 140 आतंकवादी सक्रिय है लेकिन आतंकवादियों की भर्ती पिछले काफी समय से नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि जम्मू—कश्मीर में स्थिति नियंत्रण में लेकिन संवेदनशील बनी हुई है। उन्होंने कहा कि सीमा पार के क्षेत्र में अभी भी आतंकवादियों के आठ से 10 शिविर सक्रिय हैं जिनमें से छह नियंत्रण रेखा के पार और दो अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पार हैं। उन्होंने कहा कि सीमा पार के क्षेत्र में हुर्रियत पूरी तरह सक्रिय है और इन आतंकवादियों को बढ़ावा तथा समर्थन दे रहा है। इन्हें पाकिस्तान की ओर से भी समर्थन मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सेना को उनकी गतिविधियों की जानकारी है और अगर किसी तरह की हरकत की जाती है तो इसका मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। जनरल द्विवेदी ने कहा कि जम्मू—कश्मीर के हिंटरलैंड में भी करीब 140 आतंकवादी सक्रिय है। उन्होंने कहा कि यह आतंकवादी पहले से ही अलग—अलग जगह पर छिपे हुए हैं और पिछले काफी समय से कोई नई भर्ती नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि सेना का ऑपरेशन सिंदूर अभी भी खत्म नहीं हुआ है और किसी भी आतंकवादी हरकत का सेना करारा जवाब देगी। एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि उत्तरी सीमा पर स्थिति स्थिर है लेकिन सतर्कता बनाए रखना जरूरी है।

संपादकीय

घरेलू महिलाएं खुद न करें अपनी खुशी की हत्या

आज का समय फेसबुक, व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम का है। हर व्यक्ति बोल रहा है, लिख रहा है, दिख रहा है। प्रतिभा को मंच मिल रहा है, अभिव्यक्ति को विस्तार मिल रहा है। लेकिन इसी शोर के बीच एक तबका ऐसा है, जो आज भी चुप है—या यूं कहें कि चुप करा दिया गया है।

मैं उन स्त्रियों की बात कर रही हूं, जिनका पूरा जीवन केवल नर्म, गोल और गर्मा—गर्म रोटियां बनाते—बनाते ठंडा पड़ गया। 40 साल पहले हालात अलग थे, तब विकल्प नहीं थे। लेकिन आज भी वही जीवन जीना, वही तर्क देना, यह मजबूरी नहीं, आदत बन चुकी है। स्पष्ट कर दूं—रोटी बनाना कोई अपराध नहीं, अपराध यह है कि आप खुद को केवल रोटी बनाने की मशीन में बदल दें। 'रोटी बनाना' और 'रोटी भी बनाना', इन दोनों में वही अंतर है जो जिंदा रहने और जीने में होता है। कटु सत्य यह है कि रोटी को एकदम गोल बनाने की जिद में आपने अपने व्यक्तित्व की सारी धार कुंद कर दी। दूसरों की थाली गर्म रखने में आप खुद ठंडी पड़ गईं और यह कोई त्याग नहीं, यह आत्म—उपेक्षा है। आप सबको उतनी ही गर्म रोटी खिलाइए, जितनी आप स्वयं भी उनके साथ बैठकर खा सकें। वरना याद रखिए, जो औरत खुद नहीं खाती, उसे कोई खिलाने नहीं आता। आपने अपनी पूरी ऊर्जा फर्श चमकाने, रसोई संभालने और चूल्हे में झोंक दी। अब जब खुद को पीछे छूटा पाती हैं, तो अपनी कुंठा नई पीढ़ी, कामकाजी महिलाओं या बहुओं पर थोप देती हैं। यह असंतोष का समाधान नहीं, सिर्फ उसका बदसूरत रूप है। अब दूसरों से जलना बंद कीजिए। सच तो यह है कि जलन उनकी नहीं, अपनी अधूरी संभावनाओं की है। ठहरिए और खुद से पूछिए—

क्या मैं आज वही हूं, जो मैं हो सकती थी? अगर जवाब 'नहीं' है, तो दोष दुनिया को नहीं, अपनी प्राथमिकताओं को दीजिए। जिन कारणों ने आपको रोका, उन्हें रोने की सूची से हटाकर जीवन की 'बी—लिस्ट' में डाल दीजिए। कड़वा सच यह है कि दुनिया आपको आपके त्याग से नहीं, आपकी उपलब्धियों से पहचानती है। आपने कितना सहा, इससे किसी को फर्क नहीं पड़ता। यहां तक कि परिवार को भी नहीं। बच्चे बड़े होते ही व्यस्त हो जाते हैं और पति की व्यस्तता तो वर्षों पुराना बहाना है।अक्सर देखा जाता है कि रोटी ठंडी हो रही हो और आप आवाज दें, तो जवाब मिलता है—'आपको तो खाने की ही पड़ी है।' सोचिए, जिस खाने के लिए आपने अपने सपने फ्रीजर में रख दिए, उसकी कीमत किसी की नजर में क्या है। इसलिए अब वक्त है कि 'रोटी ही बनाना' को 'रोटी भी बनाना' में बदला जाए। जीवन कोई गैस सिलैंडर नहीं है, जो जब चाहे बदल लिया जाए। जो करना है, अभी कीजिए। क्योंकि भविष्य में न आपका बेटा अपनी पत्नी को सिर्फ रोटी बनाने देगा और न आपकी बेटी खुद को चूल्हे तक सीमित करेगी। तब उन्हें कोसने से अच्छा है कि आज खुद को बदला जाए। खाना बनाइए, घर संभालिए लेकिन इसके बाद खुद को भी समय दीजिए। कुछ रचिए, कुछ सीखिए। जब आप खुद को गंभीरता से लेंगी, तब परिवार भी आपको हल्के में लेना बंद कर देगा। और हां! जिस दिन आप रसोई के समय सबके पीछे भागना बंद करेंगी, उसी दिन सब समय पर खाने आने लगेंगे। सम्मान मांगना नहीं पड़ता, सीमाएं तय करनी पड़ती हैं। यह लेख घर—परिवार छोडने की वकालत नहीं करता। यह सिर्फ इतना कहता है कि घर बचाने के चक्कर में खुद को मत खोइए। किसी भूली हुई हॉबी को फिर से उठाइए—लिखिए, पढिए, सीखिए, कमाइए या बस खुद के लिए जिएं। शुरुआत में तालियां नहीं मिलेंगी लेकिन याद रखिए, जो औरत खुद के लिए खड़ी हो जाती है, उसे गिराना आसान नहीं होता। और अंत में— जीवन जीना कोई मजबूरी नहीं, यह एक कला है, एक तैयारी है। खुद को खुश रखना कोई स्वार्थ नहीं, यह आपकी सबसे पहली जिम्मेदारी है।

राशिफल

मेष :— किसी अचल सम्पत्ति क्रय हेतु प्रयत्न तीव्र। अपने भाग्य को कोसना छोड़ अपने समय का सकारात्मक दिशा में लगावें। मान—प्रतिष्ठा में बृद्धि तो होगी परन्तु इससे अभिमानी न बनें।

बृषभ :— व्यावसायिक संबंध प्रगाड़ होंगे। परिश्रम से आर्थिक लाभ के योग हैं। अत्यधिक भावुकता से भावनात्मक शोषण की भी आशंका है। भौतिक जगत से प्रभावित मन भविष्य को लेकर चिन्तित होगा।

मिथुन :— भावुकता वश संबंधों में भावनात्मक शोषण की आशंका है। पूर्वाग्रह वश अपने निकटस्थ सम्बन्धों के बारे में गलत धारणा पालना ठीक नहीं। सम्बन्धों की मधुरता हेतु आपस में विास कायम करें।

कर्क :— समाजिक मान—सम्मान व वर्चस्व में बृद्धि होगी। व्यावसायिक क्षेत्र के प्रतिभा में निखार आयेगा। आपके स्थितियों में आकस्मिक सुधार के आसार बन रहें। कल्पनाएं साकार होती नजर आएंगी।

सिंह :— नये कायरे में पूंजी निवेश हेतु धनाभाव अवरोधक होगा। आपमें दूसरों को आकर्षित करने की अभूतपूर्व क्षमता है इसका भरपूर लाभ मिलेगा। आर्थिक क्षेत्र में परिश्रमानुकूल सफलता प्राप्त होगी।

कन्या :— रोजगार के क्षेत्र में किये गये कर्म का फल सफलता का आगाज कर रहा है। आर्थिक क्षेत्र में परिश्रमानुकूल सफलता प्राप्त होगी। परिजनों की सुख—सुविधा के प्रति मन चिन्तित होगा।

तुला :— प्रणय सम्बन्ध में केन्द्रित मन प्रियतम से मिलने के लिऐ ब्याकुल होगा। किसी खास मुद्दे को लेकर परिजनों के मतभेद का सामना करना पड़ेगा। प्रयासरत क्षेत्रों में सफलता प्राप्त होगी।

वृश्चिक :— अच्छे अवसरों का लाभ उठानें में सक्षम बनें। जीवन में नीरसता को कम करने के लिए मन को सकारात्मक दिशा देवें। व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता से मन उत्साहित होगा।

धनु :— भावुकतावश किसी सम्बन्धी की बातें मन को कष्ट पहुचा सकती हैं। अपने अन्दर नए उर्जा की अनुभूति करेंगे। लेकिन बिगड़े हुए सम्बन्धों को सुधारने की चेष्ठा करें। कार्य क्षेत्र में नये आसारों से उत्साहित होंगे।

मकर :— उच्छृंखल व मजाकिया स्वभाव आस—पास के वातावरण में महत्ता तो बढ़ाएगा। रोजगार में अपनी स्थिति को लेकर मन में हीनता का वाश होगा। महत्वपूर्ण पारिवारिक दायित्वों के पूर्ति के आसार बनेंगे।

कुंभ :— परिवार में किसी की अस्वस्थता से मन चिन्तित होगा। परिवारिक जिम्मेदारियां मन को बोझिल करेंगी। कोई अवरोधित काम के प्रति मन विशेष रूप से चिन्तित होगा। शिक्षा—प्रतियोगिता में प्रयत्न सार्थक होगा।

मीनः— सरल व मिलनसार स्वभाव से संबंधों में लोकप्रिय होंगे। भौतिक सुख—साधनों की लालसा में व्यय के योग हैं। जीविका क्षेत्र में परिश्रम सार्थक होगा। भावना प्रधान मन जल्द ही दूसरों से प्रभावित हो जाता है।

भविष्य इंतजार नहीं करेगा, न ही एसटीईएम में महिलाओं को ऐसा करना चाहिए

—डॉ. विजय गर्ग

पिछले दशक में, वैश्विक निगमों, नीति निर्माताओं और शैक्षणिक संस्थानों ने यह घोषणा की है कि विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (एसटीईएम) में लैंगिक संतुलन प्राप्त करना केवल एक बॉक्स नहीं है, बल्कि एक आर्थिक अनिवार्यता है। बजट आवंटित किए गए, पहल शुरू की गई, तथा प्रयोगशालाओं, अनुसंधान केंद्रों और तकनीकी स्टार्ट—अप्स में अधिक महिलाओं को लाने के लिए प्रतिबद्धताएं जताई गईं। फिर भी आज, उनमें से कई पश्चिमी कार्यक्रम चुपचाप लुप्त हो गए हैं, बजट में कटौती, राजनीतिक प्रतिरोध और बदलती प्राथमिकताओं के कारण। इस महत्वपूर्ण क्षण में भारत एक चौराहे पर खड़ा है। सबसे तेजी से बढ़ते ज्म्ड पारिस्थितिकी तंत्रों में से एक और अवसरों के लिए भूखे लाखों युवा दिमाग के साथ, राष्ट्र वास्तव में समावेशी भविष्य बनाने का अवसर प्राप्त कर सकता है। लेकिन सबसे पहले, हमें तीन जिद्दी बाधाओं का सामना करना होगा जो हमारे आधे प्रतिभा पूल को किनारे कर देती हैंरू स्वप्न अंतराल, अवसर अंतराल और नेतृत्व अंतराल। स्वप्न अंतराल शोध से पता चलता है कि छह वर्ष की आयु तक, कई समाजों में लड़कियां इस विचार को आत्मसात करने लगती हैं कि तकनीकी क्षेत्र लड़कों के लिए होता है। यह प्रारंभिक पूर्वाग्रह, जिसे कुछ लोग श्स्वप्न अंतरालश कहते हैं, आकांक्षाओं, आत्मविश्वास और अंततः कैरियर विकल्पों को आकार देता है। भारत में, किसी भी अन्य देश की तुलना में इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अधिक महिलाओं को स्नातक करने के बावजूद, नामांकित एसटीईएम छात्रों में केवल 29: महिलाएं हैं, जबकि ब्रिटेन और अमेरिका में यह संख्या 50: से अधिक है। छोटे शहरों में, रोबोटिक्स से मोहित एक लड़की को जल्दी ही ष्सेफ़र ट्रुटष विषयों की ओर ले जाया जा सकता है। यहां तक कि उन शहरों में भी जहां संसाधनों की भरमार है, प्रयोगशालाओं और सी—सूटों में दिखाई देने वाले रोल मॉडल का अभाव पुराने रूढ़ियों को मजबूत करता है। जब तक प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में सुलभ कोडिंग शिविरों, विज्ञान मेलों और मार्गदर्शन कार्यक्रमों के माध्यम से हस्तक्षेप शुरू नहीं हो जाता, तब तक अनगिनत प्रतिभाशाली लोग कभी भी वैज्ञानिक खोज या तकनीकी नवाचार का सपना देखने की हिम्मत नहीं कर पाएंगे। अवसर अंतराल कक्षा की सीमा पार करते हुए, इन स्नातकों को एक कठोर वास्तविकता का सामना करना पड़ता हैरू भारत में विज्ञान और इंजीनियरिंग कार्यबल में केवल 14: महिलाएं हैं। कठोर नियुक्ति प्रथाओं, अचेतन पूर्वाग्रह और प्रायोजन कार्यक्रमों की कमी के कारण कई लोग पाइपलाइन से बाहर हो जाते हैं। नौकरी के साक्षात्कार अक्सर तकनीकी ज्ञान से अधिक का परीक्षण करते हैंरू वे नेतृत्व शैली, जोखिम की भूख और लंबे समय तक उपलब्धता के मानदंडों की जांच करते हैं जो पारिवारिक अपेक्षाओं और सामाजिक मानदंडों को संतुलित करने में कई महिलाओं को नुकसान पहुंचाते हैं। और जो लोग डीप—टेक स्टार्टअप शुरू करने का साहस करते हैं, उनके लिए संभावनाएं अभी भी अधिक हैंरू भारत में उद्यम पूंजी का केवल 2.3: हिस्सा महिलाओं द्वारा संचालित उद्यमों की ओर जाता है। कल्पना कीजिए कि एक जैव प्रौद्योगिकी नवप्रवर्तक जिसने एक अभूतपूर्व, टिकाऊ प्रक्रिया विकसित की है, फिर भी उसे संदेह करने वाले निवेशकों के सामने अपनी तकनीकी योग्यता को लगातार उचित ठहराना होगा। कई लोग अपने उद्यमशीलता के सपनों को त्याग देते हैं या अनिच्छा से धन जुटाने के लिए पुरुष सह—संस्थापकों के साथ साझेदारी करते हैं। यह सीमित क्षमताओं के कारण नहीं है, बल्कि पहुंच की विफलता के कारण है। कार्यबल में परिवर्तन के दौरान, महिला वैज्ञानिक और इंजीनियर अक्सर एक अदृश्य सीमा तक पहुंच जाती हैं। पूरे भारत में अग्रणी प्रौद्योगिकी कंपनियों में, वरिष्ठ प्रबंधन पदों पर 15: से भी कम महिलाएं कार्यरत हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वच्छ ऊर्जा और उन्नत सामग्रियों जैसे उभरते क्षेत्रों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व और भी कम है। पदोन्नति पैनल पारंपरिक रूप से मर्दाना मानदंडों के साथ जुड़ी आक्रामक, जोखिम लेने वाली शैलियों को पुरस्कृत करते रहते हैं, जबकि सहयोगात्मक, सहानुभूतिपूर्ण नेतृत्व गुण अक्सर अनजान रह जाते हैं। महत्वपूर्ण परियोजनाएं और नेतृत्व—प्रशिक्षण स्लॉट अनुपातहीन रूप से पुरुष सहकर्मियों को दिए जाते हैं, जिससे महिला पेशेवर मध्यम स्तर के पदों पर अटकी रहती हैं। परिणामस्वरूप, उत्पादों और नीतियों की कल्पना विविध दृष्टिकोणों के बिना ही की जाती है, जो उन्हें अधिक समावेशी और प्रभावी बना सकते हैं। आगे का रास्ता पश्चिमी अर्थव्यवस्थाओं में समावेशन की कमी के कारण, भारत को सबसे अधिक लाभ और सबसे अधिक हानि हुई है। हमारी सभी प्रतिभाओं की पूरी क्षमता का लाभ उठाने से स्वास्थ्य सेवा वितरण, टिकाऊ ऊर्जा और अगली पीढ़ी के कंप्यूटिंग में सफलता मिल सकती है। ऐसे क्षेत्र जहां दुनिया को समाधानों की सख्त जरूरत है। इन अंतरालों को पाटने के लिए हमें कई मोर्चों पर काम करना होगा प्रारंभिक सहभागितारू प्राथमिक विद्यालय से लेकर अनुभवात्मक विज्ञान और प्रौद्योगिकी कार्यक्रमों तक पहुंच का विस्तार करें, विशेष रूप से वंचित क्षेत्रों में। कोडिंग कार्यशालाएं, मोबाइल लैब और शैक्षिक गैर सरकारी संगठनों के साथ साझेदारी से जिज्ञासा जागृत हो सकती है और रूढ़िवादिता को जड़ जमाए जाने से पहले ही खत्म कर दिया जा सकता है। लक्षित समर्थनरू डीप—टेक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और क्लीन—टेक में महिलाओं के नेतृत्व वाले अनुसंधान और स्टार्टअप्स के लिए समर्पित वित्तपोषण धाराएं स्थापित करना। इनक्यूबेटर और एक्सेलरेटर कार्यक्रमों को स्लॉट आरक्षित करने चाहिए तथा प्रस्तावों का निष्पक्ष मूल्यांकन सुनिश्चित करने के लिए विशेष मार्गदर्शन प्रदान करना चाहिए। समावेशी कार्य संस्कृतिरू पारदर्शी नियुक्ति नीतियों को लागू करें, प्रदर्शन समीक्षा में विविधता मीट्रिक की आवश्यकता हो, तथा लचीली कार्य व्यवस्था प्रदान करें। प्रबंधकों के लिए अचेतन पूर्वाग्रह और समावेशी नेतृत्व पर प्रशिक्षण सभी संगठनों में अनिवार्य हो जाना चाहिए। प्रबंधकों के लिए अचेतन पूर्वाग्रह और समावेशी नेतृत्व पर प्रशिक्षण सभी संगठनों में अनिवार्य हो जाना चाहिए। नेतृत्व विकासरू महत्वपूर्ण परियोजनाओं के माध्यम से कार्यकारी कार्यक्रमों और रोटेशन के लिए उच्च—संभावित महिला पेशेवरों को प्रायोजित करना। रणनीतिक निर्णय लेने में महिलाओं की आवाज को बढ़ाने के लिए कंपनियों के भीतर सहकर्मी नेटवर्क और वकालत समूह बनाएं। दृश्यमान रोल मॉडलरू अगली पीढ़ी को प्रेरित करने के लिए मीडिया, उद्योग मंचों और शैक्षणिक सम्मेलनों के माध्यम से सफलताओं का जश्न मनाएं और अग्रणी वैज्ञानिकों, उद्यमियों और

पंजाब में गैंगस्टरों का उदय

—निजीश एन

2026 के सिर्फ पहले हफ्ते में, पंजाब में लगातार 4 टारगेटेड किड्क्षलग हुईं, जो राज्य में मुश्किल हिंसा के जमे हुए पैटर्न के लगातार बने रहने और बढने तथा कानून—व्यवस्था में गंभीर कमियों को दिखाती हैं। हमलावरों का साफ तौर पर बेखौफ होना, खालिस्तान समर्थक चरमपंथी तत्वों, नारकोटिक्स की तस्करी और स्थानीय राजनीतिक दुश्मनी से जुड़े ट्रांसनैशनल ऑर्गेनाइज्ड क्राइम और गैंगस्टर नैटवर्क की बढ़ती हिम्मत को दिखाता है। 5 जनवरी, 2026 को, गगनदीप सिंह, जो बाऊंसर के तौर पर काम करने वाले एक पूर्व कबड्डी खिलाड़ी थे और जगराओं की 'आप' विधायक सरवजीत कौर के करीबी रिश्तेदार थे, को जगराओं में मानुके गांव के बाहरी इलाके में अनाज मंडी के पास एक खेत में हथियारबंद हमलावरों ने गोली मार दी। शुरुआती जांच से पता चलता है कि हत्या दुश्मन ग्रुप्स के बीच झगड़े के बाद हुई। 4 जनवरी, 2026 को, 'आप' सरपंच जरमल सिंह को अमृतसर जिले में अमृतसर—अटारी रोड पर वेरका के पास एक रिजॉर्ट में भीड़ भरे शादी समारोह के दौरान 2 बिना मास्क वाले हथियारबंद हमलावरों ने गोली मार दी। उनको एक साल से ज्यादा समय से विदेश में रहने वाले गैंगस्टर प्रभ दासुवाल से जबरन वसूली की धमकियां मिल रही थीं। 3 जनवरी, 2026 को, कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्त्ता उमरसिर सिंह को मोगा जिले के ड्क्षभडर कलां गांव में अज्ञात हथियारबंद हमलावरों ने गोली मार दी। इससे पहले, 2 जनवरी, 2026 को, हेमप्रीत कौर, एक एन.आर.आई., जो लगभग एक महीने पहले विदेश से लौटी थी, की कपूरथला जिले में दो मोटरसाइकिल सवार हमलावरों ने टारगेटेड हमले में गोली मारकर हत्या कर दी।

खास बात यह है कि 2016 में इस पैटर्न के फिर से शुरू होने के बाद से, 8 साल (2008—2015) के बाद, 2025 में पंजाब में टारगेटेड किलिंग की सबसे ज्यादा संख्या दर्ज की गई है, जिसमें ज्यादातर घटनाएं विदेशों में मौजूद गैंगस्टर सिंडिकेट और कट्टरपंथी खालिस्तानी तत्वों से जुड़े ट्रांसनैशनल क्राइम नैटवर्क से जुड़ी हैं। खालिस्तान एक्सट्रीमिज्म मॉनिटर (के.ई.एम.) के डाटा से पता चलता है कि पंजाब में गैंगस्टर या आतंक से जुड़ी ये मौतें हुईं—2016 में 3 (सभी आम नागरिक, टारगेटेड किलिंग), 2017 में 6 (सभी आम नागरिक, टारगेटेड किड्क्षलग), 2018 में 3 (आतंकवादी हमले में आम नागरिक मारे गए), 2019 में 2 (एक ब्लास्ट में दो आतंकवादी मारे गए), 2020 में 2 (आम नागरिक, टारगेटेड किड्क्षलग), 2021 में 1 (ब्लास्ट में आतंकवादी मारा गया), 2022 में 3 (आम नागरिक, टारगेटेड किलिंग), 2023 में 6 (3 आम नागरिक और 3 गैंगस्टर, सभी टारगेटेड किलिंग), 2024 में 9 (7 आम नागरिक और 2 गैंगस्टर—8 टारगेटेड किलिंग और एक इंटर—गैंग वॉर) और 2025 में तेजी से बढ़कर 31 (19 आम नागरिक, 3 आतंकवादी और 9 गैंगस्टर, जिनमें 21 टारगेटेड किलिंग) शामिल हैं। इनमें से ज्यादातर टारगेटेड किलिंग एक कमांड—एंड—कंट्रोल स्ट्रक्चर को दिखाती हैं, जो उत्तर भारत में लोकल और मिड—लैवल गैंग के ऑपरेटिव को अमरीका, कनाडा, यूरोप, लातिन अमरीका, मिडल ईस्ट और साऊथ—ईस्ट एशिया से ऑपरेट करने वाले विदेश में मौजूद गैंग लीडर्स के साथ—साथ पाकिस्तान की आई.एस.आई. के सपोर्ट वाले गैंगस्टर्स और आतंकवादियों से जोड़ता है। 2016—17 के दौरान, ऐसी हिंसा में मुख्य रूप से गैर—सिख धार्मिक नेताओं और खालिस्तान विरोधी लोगों को निशाना बनाया गया ताकि सांप्रदायिक तनाव बढ़ाया जा सके और अलगाववादी भावना को फिर से जगाया जा सके। हाल के सालों में, खासकर 2022 में गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या के बाद, टारगेट प्रोफाइल में एन.आर.आई., व्यापारी और बिजनैसमैन, कबड्डी प्लेयर जैसे खिलाड़ी और पंजाबी गायक शामिल हो गए हैं, जो इन क्रिमिनल—टैरारिस्ट नैटवर्क के अंदर बड़े पैमाने पर 'एक्सटॉर्शन रैकेट' की बढ़ती केंद्रीयता को दिखाता है। 31 दिसम्बर, 2025 को, पंजाब के डी.जी.पी. गौरव यादव ने पाकिस्तानी आर्मी चीफ असीम मुनीर और आई.एस.आई. पर गैंगस्टरों और आतंकवादियों को हथियार सप्लाई करके राज्य को अस्थिर करने की नई साजिशें रचने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि 40 विदेशी गैंगस्टर पंजाब में हिंसा भड़काने की कोशिश में एक्टिव थे, जबकि 400 से ज्यादा गैंग या मॉड्यूल अभी काम कर रहे थे, जिनकी सही संख्या अलग—अलग हो सकती है। डी.जी.पी. ने बताया कि 2025 में पूरी कानून—व्यवस्था की स्थिति नियंत्रण में और ज्यादातर राज्यों के मुकाबले बेहतर थी। उन्होंने बताया कि साल के दौरान, एंटी—गैंगस्टर टास्क फोर्स (ए.जी.टी.एफ.) और फील्ड यूनिट्स ने 416 गैंगस्टर मॉड्यूल खत्म किए, उनसे जुड़े 992 अपराधियों को गिरफ्तार किया, 620 हथियार और 252 गाडियां जब्त कीं और केंद्रीय एजैंसियों के साथ मिलकर अनमोल बिश्नोई, परमिंदर सिंह उर्फ पिंदी, सुखदेव कुमार उर्फ मनीष बेदी, और साजन मसीह उर्फ गोरू जैसे गैंगस्टरों का प्रत्यर्पण करवाया। सिख समुदाय में खालिस्तानी चरमपंथी गैंग नैटवर्क के जरिए काम करते हैं, लड़ाकों को भर्ती करते हैं, अक्सर बेरोजगार युवा, जिनका कोई पिछला क्रिमिनल रिकॉर्ड नहीं होता, उन्हें कैश इनाम या विदेश में बेहतर जिंदगी का वादा करके टारगेटेड किलिंग और ग्रेनेड हमलों सहित दूसरे ड्क्षहसक कामों को अंजाम देते हैं। विपक्ष ने 'आप' सरकार पर कानून—व्यवस्था की नाकामी का आरोप लगाया, वहीं सरकार ने मौजूदा 'गैंगस्टरवाद' संकट की जड़ का कारण पिछले डेढ़ दशक में पिछली सरकारों के गलत शासन और राजनीतिक संरक्षण को बताया। क्रिमिनल नैटवर्क की राजनीतिक पकड़, जो लोकल सत्ता संघर्ष और गहरी क्रिमिनल—पॉलिटिकल सांठगांठ से जुड़ी हुई है, हाल के लोकल बॉडी चुनावों में भी साफ दिखी। मौजूदा हाइब्रिड खतरा, जो ट्रांसनैशनल ऑर्गेनाइज्ड क्राइम, नारकोटिक्स नैटवर्क और एक्सट्रीमिस्ट एक्टर्स के मिलने से पैदा हुआ है, ने पंजाब में जन सुरक्षा को कमजोर कर दिया है। लगातार पुलिस ऑप्रेशन के बावजूद, बार—बार दिन—दिहाड़े टारगेटेड किलिंग से पता चलता है कि इंटैलीजैंस, प्रिवेंटिव पुलिसिंग और रोकथाम में लगातार कमी है।

जानलेवा सड़कें

देश में आए दिन होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को लेकर सरकार और समाज के स्तर पर चिंताएं तो व्यक्त की जाती हैं लेकिन इन्हें रोकने के लिये कारगर उपाय सिरे चढ़ते नजर नहीं आते। इस बारे में बार—बार वायदे किए जाते हैं, वहीं सुधार के लिये टुकड़ों—टुकड़ों में हस्तक्षेप किया जाता है। फलतरू परिणाम वही ढाक के तीन पात रहता है। यह आंकड़ा दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश में हर साल 1.6 लाख से अधिक मौतें सिर्फ सड़क दुर्घटनाओं में होती हैं। विडंबना देखिए कि किसी भी सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थिति के मुकाबले सड़क दुर्घटनाएं ज्यादा लोगों की जान ले लेती हैं। हाल ही में सेव लाइफ फाउंडेशन द्वारा सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय के लिये किए गए सर्वेक्षण में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। संस्था द्वारा वर्ष 2023 व 2024 में 100 जिलों में सड़क दुर्घटनाओं पर किए गए सर्वेक्षण की रिपोर्ट में कहा गया है कि शाम छह बजे से रात नौ बजे तक समय सड़क हादसों के लिये सबसे घातक होता है। इसके अलावा दुर्घटनाओं की संख्या में कमी लाने के लिये 18 सड़क गलियारों की पहचान की गई है, जिनमें सर्वेक्षण अवधि में सबसे अधिक मौते हुई थीं। इसके साथ ही दुर्घटना की दृष्टि से संवेदनशील सौ जिलों में ध्यान केंद्रित करने पर बल दिया गया है। निश्चित रूप से यह स्वागत योग्य पहल है। यह जानते हुए कि दुर्घटना रोकने के लिये सामान्य सलाह और एक समान नीतियां लक्ष्य हासिल करने में विफल रही हैं। यकीनी तौर पर दुर्घटना उन्मुख क्षेत्रों में लक्षित हस्तक्षेप बदलाव लाने के लिये बेहतर दृष्टिकोण साबित हो सकता है। बहुत संभव है कि एक खराब ढंग से डिजाइन किया गया मोड़, सड़क पर पर्याप्त रोशनी का न होना, प्रवर्तन में शिथिलता तथा ड्राइविंग में लापरवाही की आदतें, किसी क्षेत्र या जिला विशेष में सड़क दुर्घटनाओं की वजह हो सकती है। निश्चित तौर पर उच्च मृत्यु दर वाले गलियारों का मानचित्रण अधिकारियों को, उन क्षेत्रों में इंजीनियरिंग सुधार, प्रवर्तन और आपातकालीन प्रतिक्रिया बल तैनात करने में सहायक हो सकता है। निस्संदेह, साक्ष्य और अतीत के अनुभव बताते हैं कि लक्षित प्रवर्तन बेहतर परिणाम दे सकता है। बंगलुरू का अनुभव बताता है कि लक्षित प्रयासों से वहां लगातार दूसरे वर्ष सड़क दुर्घटनाओं में वृद्धि के बावजूद मृत्यु दर में कमी आई है। जो इन प्रयासों की सार्थकता को दर्शाता है। निस्संदेह, अन्य शहरों को भी डेटा आधारित पुलसिंग, सीसीटीवी निगरानी और यातायात नियमों के उल्लंघन पर कड़ी निगरानी रखने के लिये इस मॉडल को अपनाना होगा। इसमें दो राय नहीं कि केंद्र सरकार की योजना तभी सफल होगी, जब वह पहचान और प्रतीकात्मकता से आगे बढ़कर काम करे। इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता है कि सड़क सुरक्षा से जुड़ी पिछली कोशिशें केंद्र सरकार, राज्य सरकारों और स्थानीय अधिकारियों के बीच बेहतर तालमेल न होने से विफल रही हैं। इन सुरक्षा उपायों के क्रियान्वयन में व्याप्त कमियों को दूर करने के लिये निरंतर वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराने, कार्यान्वयन एजेंसियों की जवाबदेही तय करने के साथ ही परिणामों का नियमित ऑडिट करना आवश्यक है। इस बाबत सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि राज्यों को कार्रवाई करने के लिये सशक्त बनाया जाना चाहिए। वैसे सिर्फ राजमार्गों पर ही ध्यान केंद्रित करने के भी कई खतरे हैं। यह जानते हुए कि देश में राष्ट्रीय राजमार्ग सड़क नेटवर्क का मुश्किल से 2 से तीन प्रतिशत हिस्सा ही है।

अमेरिका की निगाह ईरान पर

ईरान में दिसंबर 2025 के आखिरी दिनों में आर्थिक संकट से भड़का आंदोलन अब सत्ता के खिलाफ खुले विद्रोह में बदल चुका है। ईरान की सड़कों पर इस समय भयावह मं□ार है। एक तरफ सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के खिलाफ सड़कों पर उबाल जारी है, तो वहीं प्रदर्शनकारियों को आतंकवादी करार देते हुए उन्हें कुचला जा रहा है। लेकिन यह केवल आंतरिक हिंसा नहीं है, बाहर से अमेरिका इस आग में घी डालने का काम लगातार कर रहा है। डोनाल्ड ट्रंप भले खुद को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए सबसे योग्य मानें, असल में वे युद्ध अपराधों और मासूमों की जान लेने के दोषी ठहराए जाने चाहिए। वेनेजुएला पर तो ट्रंप अपना दावा ठोंक ही चुके हैं, अभी उन्होंने एक तस्वीर भी जारी की है, जिसमें वो खुद को वेनेजुएला का कार्यवाहक राष्ट्रपति दिखा रहे हैं। किसी देश की संप्रभुता और सम्मान के साथ ऐसा मजाक आधुनिक सभ्यता में नहीं किया जा सकता। लेकिन ट्रंप सभ्यता, कूटनीति और नैतिकता के तकाजों को मानते ही नहीं हैं। उन्हें केवल मुनाफे की परिभाषा समझ आती है। ट्रंप ने वेनेजुएला के बाद ग्रीनलैंड हड़पने की चेतावनी दी है। उत्तर अमेरिका और आर्कटिक के बीच बसा ग्रीनलैंड ट्रंप को अपने लिए सामरिक महत्व का लगता है, लेकिन केवल इस वजह से उस पर कब्जे की इजा□ात नहीं दी जा सकती। ग्रीनलैंड डेनमार्क का अर्द्धस्वायत्त वाला देश है, यहां के लोग खुद अपना शासन चलाते हैं लेकिन विदेश नीति और सेना डेनमार्क के पास है। डेनमार्क ने साफ चेतावनी दी है कि अगर ट्रंप ने ग्रीनलैंड पर सैन्य कार्रवाई की, तो नाटो खत्म हो जाएगा। फ्रांस, इटली, जर्मनी जैसे बाकी देश भी अब ट्रंप से सावधान हो चुके हैं। जब अमेरिका की पूंजीवादी विस्तारवादी नीति एशिया या अफ्रीका के देशों को अपनी चपेट में लेती रही, तो ये यूरोपीय देश लोकतंत्र और उदारवाद के नाम पर अमेरिका का साथ देते आए। मगर अब खुद उन पर आंच आनी शुरु हुई तो उन्हें समझ आ रहा है कि—लगेगी आग तो आएंगे घर कई जद में, यहां पे सिर्फ हमारा मकान थोड़ी है।। —राहत इंदौरी। बहरहाल, यूरोपीय देशों को जो खतरा अब दिख रहा है, ईरान से उसे पहले ही भांप लिया था। हालांकि इसमें ईरानी शासन की अपनी खामियां भी हैं, लेकिन उसे अपने स्तर पर सुधरने का मौका दिया जाना चाहिए, न कि इसमें बाहरी ताकतों का दखल होना चाहिए। इस समय ईरान में आर्थिक संकट से खड़े हुए आंदोलन के बाद तख्तापलट का खतरा बढ़ गया है। पिछले साल 28 दिसंबर को शुरू हुए जनआंदोलन में अब तक 5 सौ से ज्यादा मौतें हो चुकी हैं और 10 ह□ाार से ज्यादा लोग बंदी बनाए गए हैं। 1979 में हुई इस्लामिक क्रांति के बाद 47 साल में ऐसा आंदोलन कभी नहीं देखा गया। हालांकि इस बीच महसा अमीनी की मौत के बाद महिला अधिकारों को लेकर 2022 में आंदोलन हुआ था, लेकिन उसकी प्रकृति अलग थी।इन विरोध प्रदर्शनों पर ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि आतंकवादियों ने न केवल नागरिकों बल्कि सुरक्षा बलों को भी निशाना बनाया है, जिनका उद्देश्य देश को अस्थिर करना है। उनका यह भी कहना है कि सुरक्षाबलों ने जरूरत पड़ने लायक ही कार्रवाई की है। वहीं डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर प्रदर्शनकारियों को मारा जाता है, तो वह श□ाोरदार हमला करेंगेश। ट्रंप ने कहा कि वह श्वहीं चोट देंगे, जहां सबसे ज्यादा दर्द होगाश।श यह सड़कछाप भाषा ईरान का तेल हथियाने और उसके परमाणु कार्यक्रम बंद कराने के लिए है। पिछले साल इजरायल के जरिए एक बार यह कोशिश अमेरिका कर चुका है। इस बार ईरान के लोगों का ही इस्तेमाल किया जा रहा है। ट्रंप ने साफ कहा है कि अमेरिका ईरानी शासन का विरोध करने वालों की मदद के लिए तैयार है। हालांकि ईरान ने इसके जवाब में कहा है कि अगर ऐसा होगा, तो वो क्षेत्र में अमेरिकी सहयोगियों और उसके हितों पर हमला करेगा।इस बीच, ईरान के निर्वासित क्राउन प्रिंस रजा पहलवी ने प्रदर्शनकारियों से सड़कों पर डटे रहने की अपील की है। 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद रेजा पहलवी के पिता द्दू शाह पहलवी को सत्ता से हटा दिया गया था। अब द्दू पहलवी निर्वासन में रहकर आंदोलन को नेतृत्व करने की कोशिश कर रहे हैं। इस बार पहलवी परिवार की वापसी की मांग वाले नारे भी सुने जा रहे हैं, इससे संकेत मिल रहे हैं कि कहीं ईरान में अपनी पिट्ठू सरकार बनाने की तैयारी तो अमेरिका की नहीं है।इध ार ईरान में प्रदर्शन रोकने के लिए सरकार ने इंटरनेट ब्लैकआउट का सहारा लिया है, लेकिन यह कितना कारगर होगा, कहा नहीं जा सकता। अयातुल्लाह खामेनेई को सबसे पहले आर्थिक संकट दूर करने के उपाय तलाशने होंगे। ईरान की कमाई का सबसे बड़ा जरिया कच्चा तेल है। लेकिन अमेरिका और पश्चिमी देशों ने पहले से ही ईरान पर कई तरह के प्रतिबंध लगा रखे हैं। इससे ईरानी मुद्रा रियाल काफी गिरकर एक डॉलर के मुकाबले 14 लाख रियाल तक पहुंच चुकी है। प्रतिबंधों के कारण ईरान अन्य जरियों से अपना तेल सस्ते में बेचने पर मजबूर है। खरीदारों को आकर्षित करने के लिए अक्सर कार्गो पर छूट दी जाती है, फिर तेल को बिचौलियों और गुमनाम फर्मों के माध्यम से ले जाया जाता है। इन्हें अनाधिकृत टैंकरों में भरकर समुद्र के बीच में जहाज—से—जहाज ट्रांसफर जैसी जुगाड़ वाली तरकीबों से बेचा जाता है, इस वजह से काफी सस्ते में सौदा करना पड़ता है।ईरान ओपन डेटा के मुताबिक मार्च 2025 तक एक साल के दौरान ईरान ने तेल निर्यात से लगभग 23.2 बिलियन डॉलर कमाए। यही तेल अगर वैध तरीकों से बिकता तो 28 बिलियन डॉलर से अधिक की आय ईरान को हो सकती थी। अमेरिकी और पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के कारण ईरान की जीडीपी में हर साल 0.6. प्रतिशत की गिरावट आई है। वहीं करीब 1 करोड़ ईरानी गरीबी का शिकार हैं। ये सारे आंकड़े 2020 तक के हैं, इसके बाद छह सालों में हालात और बिगड़ चुके हैं। आर्थिक संकट बर्दाश्त से बाहर हुआ तो लोग सड़कों पर उतर आए और अब अमेरिका को दखल का मौका मिल रहा है। उसे रोकने के लिए ईरान सरकार जल्द से जल्द आर्थिक सुधार लागू करे और साथ ही धार्मिक कट्टरता कम करके उदार और प्रगतिशील साथियों की मदद ले, उसी से पूंजीवादी गिद्धों को दूर रखा जा सकेगा।

एआई से पूरी तरह बदल जाएगी गांव की स्वास्थ्य सेवाओं की तस्वीर : डॉ. पिंकी जोवल

– उत्तर प्रदेश एआई एंड हेल्थ इनोवेशन कान्फ्रेंस के दूसरे दिन एआई एक्सपर्ट ने रखे अपने विचार
– बोले, तकनीक अगर सही तरीके से अपनाई जाए, तो मजबूत बनेंगी देश की स्वास्थ्य सेवाएं
– एआई के जरिये शहरी और ग्रामीण इलाकों के बीच का फर्क काफी हद तक किया जा सकता है कम

लखनऊ ब्यूरो

लखनऊ। स्वास्थ्य क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की भूमिका को लेकर होटल द सेंट्रम में आयोजित दो दिवसीय उत्तर प्रदेश एआई एंड हेल्थ इनोवेशन कान्फ्रेंस के दूसरे दिन मंगलवार को एआई एक्सपर्ट ने अपने विचार रखे। एक्सपर्ट बोले, तकनीक अगर सही तरीके से अपनाई जाए, तो वह देश की स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बना सकती है। खासतौर पर शहरी और ग्रामीण इलाकों के बीच जो फर्क है, उसे एआई के जरिए काफी हद तक कम किया जा सकता है।

एआई का असली फायदा तब जब फ्रंटलाइन हेल्थ वर्कर्स को सशक्त बनाए

चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण सचिव डॉ. पिंकी जोवेल ने कहा कि एआई का असली फायदा तब मिलेगा, जब यह फ्रंटलाइन हेल्थ वर्कर्स को सशक्त बनाए। आशा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, एएनएम और चीफ हेल्थ ऑफिसर प्रदेश और देश की स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ हैं। ये कर्मचारी गांव और कस्बों में लोगों से सीधे जुड़े होते हैं। एआई आधारित टूल्स ऐसे होने चाहिए, जो इनके रोजमर्रा के काम को आसान बनाएं, न की बोझ बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि आयुष्मान आरोग्य

मंदिर जैसे केंद्रों में एआई का सही इस्तेमाल कर दूरस्थ इलाकों में भी अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं दी जा सकती हैं।

एआई को सफल बनाने के लिए विभागों में तालमेल जरूरी

पैनल में शामिल एआई एक्सपर्ट ने कहा कि जब देश की करीब आधी आबादी महिलाएं और बच्चे हैं, तब उनके स्वास्थ्य डाटा की सुरक्षा बहुत जरूरी है। मरीज की सहमति के बिना डाटा का इस्तेमाल नहीं होना चाहिए। पारदर्शिता और भरोसा ही किसी भी मजबूत स्वास्थ्य व्यवस्था की नींव होती है। अगर लोग सिस्टम पर भरोसा करेंगे, तभी वे नई तकनीक को अपनाएंगे। एआई की मदद से मातृ मृत्यु दर को कम किया जा सकता है। एआई आधारित सिस्टम गर्भवती महिलाओं में खतरे के संकेत पहले ही पहचान सकता है। इससे आशा कार्यकर्ता समय रहते महिला को अस्पताल तक पहुंचा सकती हैं। गांव स्तर पर जल्दी पहचान और सही रेफरल से मां और बच्चे दोनों की जान बचाई जा सकती है। कार्यक्रम में अरविंद कुमार महानिदेशक, सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया, प्रो. आर के सिंह एसजीपीजीआई, डॉ. संजय सूद सी–डैक, मोहाली, प्रो. श्री राम गणपति और कर्नल समीर कंवर डीजी, पाथ आदि विशेषज्ञ शामिल हुए।

भाजपा की कार्यशाला, विपक्ष को परास्त करने के लिए संगठन को धार

संवाददाता

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उत्तर प्रदेश के चुनावों की तैयारी में जुट गई है। राज्यसभा, विधान परिषद, रिक्त सीटों पर उप–चुनाव और पंचायत चुनाव के रण से पहले संगठन को धार दी जाने लगी है। इसी क्रम में लखनऊ में कार्यशाला आयोजित की गई। केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजु और हरियाणा के पूर्व उपाध्यक्ष ओपी धनकड़, पार्टी के जन–प्रतिनिधि और नेताओं के साथ संवाद कर रहे हैं। मंथन के बाद प्रभावी रोडमैप तैयार किया जाएगा। भाजपा ने मनरेगा का नाम बदलकर, विकसित भारत गारंटी फार रोजगार एंड आजीविका मिशन ग्रामीण–वीबी जी राम जी–रखा है। पूरे दमखम के साथ पार्टी इसके प्रचार–प्रसार में जुटी है। विपक्ष को हमलों को परास्त करने के लिए केंद्रीय संसदीय एवं अल्पसंख्यक कार्य

मंत्री किरन रिजिजू और हरियाणा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ओपी धनकड़ प्रदेश के सांसदों, विधायकों, क्षेत्रीय एवं जिला इकाई की टीमों के साथ संवाद कर रहे हैं। संवाद के बाद जो रणनीति बनेगी, उसके आधार पर पार्टी अपने चुनावी अभियान को आगे बढ़ाएगी। भाजपा के नव–नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष, केंद्रीय मंत्री पंकज चौधरी, उप–मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, उप–मुख्यमंत्री बृजेश पाठक समेत तमाम नेता कार्यशाला में शामिल हुए।

एकेटीयू में बीटेक के नए सत्र का आगाज, राज्यपाल ने युवाओं से कहा-मित्रता सोचकर करें

संवाददाता, लखनऊ। युवाओं, विशेषकर छात्राओं को इस उम्र में मित्रता बहुत सोच–समझकर करनी चाहिए, आपकी मित्रता का असर आपके कॅरिअर और जीवन को प्रभावित कर सकती हैं। आपका एक गलत कदम पूरे जीवन को प्रभावित कर सकता है।

ये कहना राज्यपाल आनंदी बेन पटेल का। वो डॉ.एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय में (एकेटीयू) के सेंटर फॉर एडवांस्ड स्टडीज में बीटेक पहले सत्र का शुभारंभ करने के बाद संबोधित कर रहीं थीं। राज्यपाल ने कहा कि विवेकानंद जी युवाओं को राष्ट्र की ऊर्जा और भविष्य मानते थे। उनका संदेश उठो, जागो और लक्ष्य प्राप्ति तक मत रुको, आज भी युवाओं को प्रेरणा देता है। इसलिए उनके जीवन के बारे में सभी को पढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत उन्नति तभी सार्थक है कि जब वह राष्ट्रीय विकास से जुड़ी हो।

सीएम योगी ने दी लोहड़ी की हार्दिक बधाई

कहा, समाज में आपसी सौहार्द और भाईचारे को और अधिक मजबूत करे

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रकृति के प्रति

कृतज्ञता और अन्नदाताओं के परिश्रम को समर्पित पावन पर्व लोहड़ी के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि लोहड़ी का पर्व परिश्रम, ऊर्जा और समृद्धि का प्रतीक है। सीएम योगी ने कामना की कि यह पर्व सभी के जीवन में खुशियां, सकारात्मक ऊर्जा और नई उमंग लेकर आए तथा समाज में आपसी सौहार्द और भाईचारे को और अधिक मजबूत करे। उन्होंने कहा कि ऐसे पारंपरिक पर्व हमारी सांस्कृतिक विरासत को सहेजने के साथ–साथ समाज को एकता के सूत्र में पिरोने का कार्य करते हैं। मुख्यमंत्री ने सभी से पर्व को हर्षोल्लास, शांति और सद्भाव के साथ मनाने की अपील की। गौरतलब है कि लोहड़ी मूल रूप से सूर्य, अग्नि और प्रकृति की आराधना का पर्व है। अग्नि को साक्षी मानकर लोग पुरानी नकारात्मकताओं को त्यागते हैं और नई शुरुआत का संकल्प लेते हैं। यह पर्व सिखाता है कि जीवन में गर्माहट रिश्तों से आती है, और मिठास साझा करने से बढ़ती है। लोहड़ी सामूहिकता का पर्व है। इसमें जाति, वर्ग और उम्र की दीवारें गिर जाती हैं। नवविवाहित जोड़े, नवजात शिशु वाले परिवारों के लिए यह उत्सव विशेष महत्व रखता है। रेवड़ी, मूंगफली, गजक और पॉपकॉर्न सिर्फ प्रसाद नहीं, बल्कि साझा खुशियों के प्रतीक हैं।

मेरठ हत्याकांड के विरोध में प्रदर्शन, सपा कार्यकर्ता हिरासत में लिए गए

संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं ने मेरठ में सोनू कश्यप की हत्या के विरोध में हजरतगंज चौराहे पर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने प्रदेश की कानून व्यवस्था को लेकर सरकार पर निशाना साधा। सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कानून व्यवस्था का पुतला फूंका। इस दौरान उनकी पुलिस से नोकझोंक भी हुई।

पुलिस ने कार्यकर्ताओं को टांग–टांगकर बस में बैठाकर इको गार्डन भेज दिया। प्रदर्शन की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने हालात को नियंत्रित किया। हंगामा बढ़ने से पहले पुलिस ने सभी प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया और उन्हें इको गार्डन भेज दिया। सपा कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है और लगातार आपराधिक घटनाएं सामने आ रही हैं। उन्होंने सोनू कश्यप की हत्या के आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की।

कलर्स के 'महादेव एंड संस' का पारिवारिक माहौल लखनऊ लेकर आए शक्ति आनंद, स्नेहा वाघ और मानसी साल्वी

संवाददाता

लखनऊ। नवाबों के शहर लखनऊ में शक्ति आनंद, स्नेहा वाघ और मानसी साल्वी का प्रोड्यूसर सौरभ तिवारी के साथ गर्मजोशी से स्वागत किया गया। वे कलर्स के नए फैमिली ड्रामा 'महादेव एंड संस' के प्रमोशन के लिए लखनऊ आए थे, जिसकी कहानी उत्तर प्रदेश के हरदोई पर आधारित है। 'कुछ रिश्ते मिसाल बन जाते हैं... और कुछ मिसालों का बोझ बनकर रह जाते हैं'। प्रीमियर के बाद से ही दर्शकों का दिल जीत रही यह कहानी महादेव (शक्ति आनंद) के असाधारण उदय की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जो एक अनाथ था और बाजपेयी परिवार में नौकर के रूप में आया। इसके बाद वह संघर्ष के दम पर शहर के सबसे सम्मानित और अमीर आदमियों में से एक बन गया। अपने मालिक की बेटी विद्या (स्नेहा वाघ) के लिए उसके प्यार ने उससे सब कुछ छीन लिया – उसका घर, उसका नाम और उसकी विरासत। बेदखल और अपमानित होने के बाद इस जोड़े ने अनुशासन और परंपरा के साथ, कड़वाहट के बजाय गरिमा को चुनते हुए ईंट–ईंट जोड़कर अपनी जिंदगी फिर से खड़ी की। जो सफर बलिदान से शुरू हुआ, वह धीरे–धीरे एक घनिष्ठ, खुशहाल परिवार में बदल जाता है, जहाँ दिन एक साथ भोजन, मंदिर दर्शन, समारोहों और अनकही रस्मों के साथ शुरू और खत्म होते हैं, जो उन्हें एक साथ बांधते हैं। महादेव सिर्फ परिवार का मुखिया नहीं है, बल्कि एक प्यार करने वाला पति और परिवार के हर घटनाक्रम में सहभागी होने वाला गौरवान्वित पिता (तीन बेटों और दो बेटियों का) भी है, जो मानता है कि परिवार को एक साथ काम करना चाहिए, पूजा करनी चाहिए और जश्न मनाना चाहिए। महादेव एंड संस के सामने रहने वाली विद्या की बड़ी बहन भानु (मानसी साल्वी) विरोध में खड़ी है। उसकी अनसुलझी नाराजगी इस दिखने में

परफेक्ट दुनिया पर काले साये सा असर डालती है। अपनी प्रेम कहानी की कीमत से टूट चुके और इतिहास दोहराने के डर से महादेव अपने बच्चों के लिए एक लक्ष्मण रेखा खींचता हैरू इसमें प्रमुख यह है कि उनके लिए प्रेम विवाह वर्जित हैं। उसके नियम परिवार को एक साथ रखते हैं, लेकिन एक कीमत परय उसके बच्चे उसकी बात मानते हैं, फिर भी चुपचाप पसंद, आवाज और बिना डर के प्यार के लिए तरसते हैं। क्या वह प्यार जिसके लिए महादेव ने कभी समाज से लड़ाई लड़ी थी, वही ताकत बन जाएगी जो उसके परिवार की एकता की परीक्षा लेगी?'महादेव एंड संस' बनाने वाले प्रोड्यूसर सौरभ तिवारी की परिन मल्टीमीडिया प्राइवेट लिमिटेड जिसका कलर्स के साथ लंबा रिश्ता रहा है लंबे समय से जुड़ाव रहा है। उनका कहना है, "कलर्स पर महादेव एंड संस के साथ नए साल की शुरुआत करना हमारे लिए सम्मान की बात है। मेरे लिए, यह सिर्फ एक शो नहीं है – यह मेरी जिंदगी का एक हिस्सा है। मेरा जन्म और पालन–पोषण उत्तर प्रदेश में हुआ और मैंने हरदोई और लखनऊ के आस–पास काफी समय बिताया है। कहानी उन लोगों से प्रेरित है जिन्हें मैंने बड़े होते हुए देखा, उन भावनाओं से जिन्हें मैंने महसूस किया, और उन रिश्तों से जिन्होंने परिवार के बारे में मेरी समझ को आकार दिया। उत्तर प्रदेश की प्यार, वफादारी, प्राइड और टकराव की अपनी एक अलग भाषा है, और मैं उस दुनिया को उसकी असलियत खोए बिना एक नेशनल प्लेटफॉर्म पर लाना चाहता था। शो को वापस यूपी में लाना ऐसा लगता है जैसे कहानी को उसके सही घर – उस मिट्टी में लौटाना जहाँ इसकी नींव रखी गई थी। इस जमीन में अपनेपन का गहरा एहसास है जिसे मैं पूरी जिंदगी अपने साथ लेकर चला हूँ। यह शो परिवारों के लिए है कि वे एक साथ बैठें। इन किरदारों में खुद को देखें। अपनी यात्रा में इसका प्रतिबिंब और सुकून दोनों पाएं।" मुखिया महादेव का किरदार निभा रहे शक्ति आनंद कहते हैं, "लोगों ने महादेव एंड संस के लिए जिस तरह का प्यार दिखाया है, वह दिल को छूने वाला है। मैं इसके लिए उनका आभारी हूँ। जब दर्शक इतनी गर्मजोशी से प्रतिक्रिया देते हैं, तो इससे पता चलता है कि उन्हें किरदार भरोसेमंद और भावनात्मक रूप से सच्चा लगा है। महादेव कोई आम टीवी मुखिया नहीं हैंय उनका अधिकार सालों के संघर्ष, संयम और अनुभव से आता है। इस वजह से यह देखकर सच में मेरा दिल खुश होता है कि एक पिता के किरदार को इतनी सराहना मिली है। लखनऊ के लोगों में उत्साह और स्नेह देखना सच में अविश्वसनीय था।" विद्या के किरदार के बारे में बात करते हुए, स्नेहा वाघ ने बताया, "मैं अक्सर उत्तर प्रदेश जाती हूँ लेकिन यह यात्रा अलग और खास लगी। विद्या उन सभी प्यारी माँओं का मिश्रण है जिन्हें मैंने अपनी जिंदगी में देखा है – ऐसी महिलाएँ जो प्यार के साथ खड़ी रहती हैं, दर्द सहती हैं, झगड़ों को शांत करती हैं, और करुणा के साथ परिवारों को एक साथ रखती हैं। ये गुण भारतीय घरों में बहुत गहराई से बसे हुए हैं। इस किरदार के लिए इतनी दिल से प्रतिक्रिया मिलना संतोषजनक रहा है। उस राज्य में आना जहाँ महादेव एंड संस की नींव पहली बार रखी गई थी, एक एक्टर के तौर पर मेरी यात्रा में एक खूबसूरत पूरा चक्र जैसा पल लगता है।"भानु के किरदार पर दर्शकों के रिएक्शन के बारे में बात करते हुए मानसी साल्वी ने कहा, "एक एक्टर के तौर पर, दर्शकों को एक ग्रे कैरेक्टर की तारीफ करते देखना बहुत संतोष देता है। भानु का घमंड ही उसकी ताकत और उसकी कमजोरी है, और उसका गुस्सा क्रूरता से नहीं, बल्कि इमोशनल जख्मों से आता है। जिस राज्य में यह कहानी सेट है, वहीं के दर्शकों का इस कॉम्प्लेक्सिटी को समझना और उसकी तारीफ करना, मेरे लिए सबसे बड़ी तारीफ है। मैं दर्शकों की शुक्रगुजार हूं कि उन्होंने एक ऐसी कहानी को अपनाया जो हर पीढ़ी से जुड़ती है और परिवार के हर सदस्य के लिए कुछ न कुछ देती है।"महादेव एंड संस हर सोमवार से शुक्रवार रात 9रू30 बजे, सिर्फ कलर्स और जियोहॉटस्टार पर देखें, और एक ऐसी पारिवारिक कहानी देखें जो वफादारी की परीक्षा लेती है, परंपराओं को चुनौती देती है, और प्यार की अटूट शक्ति का जश्न मनाती है।

संक्षिप्त

ट्रेन की चपेट में आने से पार्लर संचालिका की मौत

संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के दुबग्गा थाना क्षेत्र में बीते सोमवार रात को ट्रेन की चपेट में आने से ब्यूटी पार्लर संचालिका की मौत हो गई। वह पार्लर बंद करके घर जा रही थी। भमरौली क्रॉसिंग के पास ट्रेन की चपेट में आ गई। मौके पर मौजूद लोगों ने इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। मूल रूप से हलियापुर, अमेठी निवासी पूजा दुबे (30) पत्नी प्रदीप दुबे लखनऊ में शाहपुर भमरौली दुबग्गा में पति और 5 साल के बेटे प्रबल के साथ रहती थी। घर से 200 मीटर दूर किराए की दुकान लेकर पूजा ब्यूटी पार्लर और कॉस्मेटिक की दुकान चलती थी। सोमवार रात करीब 9 बजे दुकान बंद करके वापस लौट रही थी। तभी भमरौली क्रॉसिंग बंद होने की वजह से नीचे से निकाल कर पार करने लगीं। इस दौरान ट्रेन की चपेट में आ गईं। जिससे सिर में गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद आसपास भीड़ जमा हो गई। वहां मौजूद लोगों ने पति प्रदीप और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंचे परिजनों ने इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया है। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। परिजन शव लेकर अपने पैतृक आवास चले गए। मामले में पुलिस का कहना है ट्रेन की चपेट में आने के बाद महिला का मोबाइल झाड़ियों में चला गया। जहां उसकी बहन का कॉल आ रहा था। इस पर झाड़ियां से फोन निकाला गया और घटना की जानकारी दी गई तब मौके पर परिवार पहुंचा।

नीलगाय से बाइक टकराई, युवक घायल

संवाददाता

लखनऊ। मोहनलालगंज में मंगलवार सुबह करीब 10 बजे अल्ट्राटेक प्लांट के सामने एक तेज रफ्तार बाइक सड़क पर आई नीलगाय से टकरा गई। इस हादसे में बाइक सवार युवक घायल हो गया। सूचना मिलते ही मोहनलालगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस जांच में पता चला कि बाइक संख्या यूपी 32 पीडब्लयू 0395 की नीलगाय से टक्कर हुई, जिससे बाइक क्षतिग्रस्त हो गई। बाइक सवार प्रदीप पुत्र स्व. शीतल वश, निवासी गौरा, थाना मोहनलालगंज, लखनऊ को हल्की चोटें आईं। हेलमेट पहनने के कारण युवक की जान बच गई। पुलिस ने डायल 112 की मदद से घायल प्रदीप को परिजनों के साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) मोहनलालगंज भेजा।

वीबी-जीरामजी लागू होने से रोजगार बढ़ेगा : सुरेश खन्ना

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की जनता का परसेप्शन बदला है। सरकार अब ग्रामीण भारत के संतुलित और समग्र विकास को मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में बड़े सुधार कर रही है, जिसके तहत 'वीबी–जीरामजी' योजना लागू की जा रही है। यह योजना मनरेगा का स्थान लेगी। इसमें मनरेगा की पहले की कमियों को दूर करते हुए योजनाओं को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाया जाएगा। अब तक मनरेगा के तहत श्रमिकों को 100 दिन का रोजगार मिलता था, लेकिन नई व्यवस्था में यह बढ़ाकर 125 दिन कर दिया गया है। इससे ग्रामीण श्रमिकों को अधिक दिनों तक काम और आय का अवसर मिलेगा। अक्सर यह शिकायत रहती थी कि कटाई और बुवाई के समय मजदूर नहीं मिलते। इसे ध्यान में रखते हुए नई व्यवस्था में 60 दिनों तक ऐसी छूट दी गई है, जिससे श्रमिक खेती के मौसम में अपनी आवश्यकता के अनुसार काम कर सकेंगे। नई व्यवस्था को चार हिस्सों में बांटा गया है। पहला जन सुरक्षा और जन संरक्षण, दूसरा ग्रामीण इन्फ्रास्ट्रक्चर नाली, खड़ंजा, पुलिया और सड़क जैसे कार्य, तीसरा आजीविका संवर्धन, रोजगार और आय बढ़ाने वाले कार्य, चौथा जलवायु परिवर्तन और प्रतिकूल मौसम से निपटना। अब योजनाओं का क्रियान्वयन इन्हीं चार प्राथमिकताओं के साथ किया जाएगा। यदि कोई व्यक्ति काम के लिए आवेदन करता है और 15 दिन के भीतर काम नहीं मिलता, तो 20 दिन बाद उसकी मजदूरी का एक–चौथाई मुआवजा दिया जाएगा। वहीं, 60 दिनों तक काम न मिलने पर दैनिक मजदूरी के बराबर पूरा मुआवजा देने का प्रावधान किया गया है। इस कानून के तहत ग्राम पंचायतों को अपनी जरूरत के अनुसार योजनाएं बनाने का अधिकार मिलेगा। पंचायतें योजनाएं बनाकर ब्लॉक को भेजेंगी, जो आगे जिले को प्रेषित की जाएंगी।

इससे यह स्पष्ट होगा कि किस गांव को किस तरह के विकास कार्यों की आवश्यकता है। नई व्यवस्था में नियम तोड़ने पर दंड राशि 1,000 से बढ़ाकर 10,000 कर दी गई है। वहीं, प्रशासनिक ब्याज दर को 6ः से बढ़ाकर 9ः किया गया है, जिससे कानून को और सशक्त बनाया गया है। प्रभारी मंत्री ने कहा कि यह कानून राष्ट्रीय, राज्य और ग्राम स्तर पर विकास मिशन को गति देने के लिए एक मजबूत संस्थागत ढांचा तैयार करता है। सरकार का लक्ष्य 2047 तक हर नागरिक को सम्मानजनक जीवन और आधुनिक सुविधाएं।

शाइनिंग स्टार्स ने मनाया अपना पन्द्रहवां स्थापना दिवस

एक लाख से अधिक रोजगार के अवसर प्रदान कर चुका है शाइनिंग स्टार

संवाददाता

लखनऊ। राष्ट्रीय स्तर पर मानव संसाधन उपलब्ध कराने तथा फ्रशर युवाओं व अनुभवी लोगों को रोजगर के अवसर उपलब्ध वाली प्रसिद्ध शाइनिंग स्टार्स कंपनी ने अपना पन्द्रहवा स्थापना दिवस काफी धूम्धाम से मनाया। कार्यक्रम जिद्दी थीम पर मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विधायक बिल्हौर–कानपुर राहुल बच्चा सोनकर उपस्थित थे। साथ ही विशिष्ठ अतिथ के रूप में उत्तर प्रदेश सुन्नी वक्फ बोर्ड की सदस्य सबीहा अहमद, मुख्य मंत्री के मीडिया सलाहकार डा0 रहीस अहमद भी उपस्थित थे। शाइनिंग स्टार्स के वाईस प्रेजिडेंट देव चिन्मय ने बताया कि कोरोना काल में कंपनी ने बेरोजगारों के लिए उत्कृष्ट कार्य किया था। तथा उस दौर में आठ हतार से अधिक लोगों को राजगाा उपलब्ध कराया था। अपने पद्रहवें स्थापना दिवस तक शाइनिंग स्टार एक लाख से अधिक लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध करा चुकी है। ज्ञात हो कि शाइनिंग स्टार्स देश के विभिन्न कॉर्पोरेट कंपनियों को मानव संसाधन की सेवा प्रदान करती है। कंपनी द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर यह सेवा नौकरी ढूंढ रहे युवक–युवतियों को निःशुल्क प्रदान की जाती है। इस अवसर पर विधायक राहुल बच्चा सोनकर ने कहा कि रोजगार सृजन व रोजगर उपलब्ध कराने की दिशा में शाइनिंग स्टार की भूमिका काफी सराहनीय है।

म्यूजिक टीचर को नान–टीचिंग स्टाफ मानते है निजी स्कूल

संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के प्रतिष्ठित विद्यालयों में शिक्षकों के शोषण के लिये निजी विद्यालय प्रबन्धन द्वारा नये–नये हथकंडे अपनाये जा रहे है। पी.जी.टी शिक्षक का निर्धारित वेतनमान न देना पड़े इस लिये संगीत अध्यापक को नान–टीचिंग स्टाफ बनाकर शिक्षक को नियुक्त करते है। ये खेला सीबीएसई बोर्ड के विद्यालयों में खुलआम चल रहा है। जिसमें राजधानी के प्रतिष्ठित व नामचीन विद्यालय शामिल है। इसमें शिक्षक का शोषण होता है। शिक्षा विभाग जो बाकी मामलों में सक्रिय रहता है परंतु हस तरह की घटनाओं पर निष्क्रिय रहता है। कक्षा दस के बाद बच्चें अपना टोटल परसेंट बढ़ाने के लिय संगीत विषय को लेते है। संगीत में प्रैक्टिल के सत्तर तथा थ्योरी के तीस अंक होते है। निजी विद्याालयों में प्रैक्टिल के पूरे अंक मिल हीजाते है संगीत में सौ में सौ मिलना काफी आसान होता है। जिससे टोटल परसेंट काफी अच्छा हो जाता है। वही एक म्यूजिक शिक्षक की न्यूनतम योग्यता संगीत में विशारद् होती है तभी उसे सीनियर कक्षाओं में पढ़ाने के योग्य माना जाता है। संगीत पढ़ाने के लिये कोई पीरियड निर्धारित नहीं होता है। शिक्षक को जीरो पीरियड में पढ़ाना होता है। ताजा मामला राजधानी के प्रतिष्ठित लखनऊ पब्लिक कालेज का है जहां के विशारद् शिक्षक को इएटर के विद्यार्थियों को निर्धारित पीरियड में नहीं बल्कि जीरो पीरियड में संगीत की शिक्षा दिलवायी जा रही है। साथ ही नान–टीचिंग स्टाफ का वेतनमान दिया जा रहा है। शिक्षक मजबूरी में अपना शोषण करवाने को मजबूर है। शिक्षा विभाग के अधिकारी और शिखा मंत्री आरटीई के प्रवेश के लिये निजी विद्यालयों पर निरन्तर दबाब बनाये रखते है परंतु विद्यालयों में पढाने वाले शिक्षक कैसे है क्या योग्यता है क्या वेतन मिल रहा है।

वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग को मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार में दो सम्मान

बीएनई

रायपुर। छत्तीसगढ़ के वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग को वर्ष 2025–26 के मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार में दो प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त हुए हैं। विभाग को यह सम्मान अपनी दो महत्वपूर्ण और नवाचार आधारित पहल FDS 2.0 (ई–कुबेर डिजिटल पेमेंट सिस्टम) तथा वन्यजीव (हाथी) ट्रैकिंग एवं अलर्ट प्रणाली के उत्कृष्ट क्रियान्वयन के लिए दिया गया है। FDS 2.0 (eKuber डिजिटल पेमेंट सिस्टम) भुगतान व्यवस्था में पारदर्शिता और तेजी FDS 2.0 एक आधुनिक डिजिटल भुगतान प्रणाली है, जिसके माध्यम से वन विभाग की सभी वित्तीय गतिविधियाँ ई–कुबेर प्लेटफॉर्म से सीधे जुड़ी हैं। इस व्यवस्था से भुगतान प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल हो गई है, पारदर्शिता बढ़ी है। मानवीय त्रुटियों की संभावना कम हुई है तथा कार्यों, योजनाओं और कर्मचारियों के भुगतान में गति आई है। इस नवाचार से विभाग के प्रशासनिक कार्यों में दक्षता बढ़ी है और आम नागरिकों से जुड़े भुगतान संबंधी कार्य भी सरल और समयबद्ध हुए हैं। वन्यजीव (हाथी) ट्रैकिंग एवं अलर्ट प्रणाली मानव–हाथी संघर्ष में राहत वन विभाग द्वारा विकसित यह प्रणाली आधुनिक तकनीक पर आधारित है, जिसके माध्यम से हाथियों की गतिविधियों की वास्तविक समय में निगरानी की जाती है। इस पहल के माध्यम से वन क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों को समय पर अलर्ट भेजा जाता है, ग्रामीणों को संभावित खतरे से पहले ही सूचना मिल जाती है, मानव– हाथी संघर्ष कम हुआ है, वन्यजीव संरक्षण और ग्रामीण सुरक्षा दोनों को मजबूत सहारा मिला है। यह प्रणाली विभाग के वन्यजीव प्रबंधन को अधिक वैज्ञानिक, सुरक्षित और जनहितकारी बनाती है। नेतृत्व और टीमवर्क का परिणाम इन दोनों उपलब्धियों के पीछे विभागीय नेतृत्व की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही। वन मंत्री केदार कश्यप ने इस उपलब्धि के लिए सभी विभागीय अधिकारियों को बधाई दी है। गौरतलब है कि एसीएस ऋचा शर्मा, पीसीसीएफ एवं होएफएफ श्रीनिवास राव, पीसीसीएफ (वाइल्डलाइफ़) अरुण पांडे, तथा अधिकारीगण शालिनी, सतोविषा और वरुण का मार्गदर्शन, नवाचार को प्रोत्साहन और कार्य निष्पादन पर

विशेष ध्यान प्रशंसनीय रहा। विभाग की पूरी टीम ने मिलकर इन पहलों को सफलतापूर्वक लागू किया, जिसके परिणामस्वरूप विभाग को दो महत्वपूर्ण सम्मान प्राप्त हुए हैं। सुशासन और नवाचार को नई दिशा मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार के ये सम्मान दर्शाते हैं कि वन विभाग पारदर्शी शासन, तकनीक–आधारित समाधान, नागरिकदृकेंद्रित सेवा तथा प्रभावी वन्यजीव प्रबंधन की दिशा में निरंतर प्रगति कर रहा है। यह उपलब्धि विभाग की उस प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ करती है, जिसके माध्यम से वह राज्य में सुशासन, नवाचार और सार्वजनिक हित को प्राथमिकता देता है।

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की क्रेडिट रेटिंग "AA+" में हुई अपग्रेड

बीएनई

ऋषिकेश। टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड को वित्तीय मजबूती और निरंतर विकास की महत्वपूर्ण मान्यता के रूप में, मेसर्स आईसीआरए लिमिटेड, मेसर्स केयर लिमिटेड और मेसर्स इंडिया रेटिंग से क्रेडिट रेटिंग में अपग्रेड रेटिंग प्राप्त हुई है। रेटिंग एजेंसियों ने निरंतर राजस्व वृद्धि, बेहतर लाभप्रदता और मजबूत बैलेंस शीट का हवाला देते हुए कंपनी की लंबी अवधि की क्रेडिट रेटिंग को श्स्थिरश आउटलुक के साथ "AA" से बढ़ाकर "AA+" कर दिया है। टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक और निदेशक (वित्त), सिपन कुमार गर्ग ने पूरी टीएचडीसीआईएल टीम को बधाई दी और कहा कि क्रेडिट रेटिंग में सुधार कंपनी की मजबूत वित्तीय प्रगति और अनुशासित रणनीतिक क्रियान्वयन को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि बेहतर रेटिंग, परिचालन दक्षता, दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरता और मजबूत पूंजी संरचना के

रखरखाव पर टीएचडीसीआईएल के निरंतर ध्यान का एक बाहरी प्रमाण है। बेहतर क्रेडिट रेटिंग से टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की पूंजी बाजारों तक पहुंच और मजबूत होने, उधार लेने की लागत में संभावित कमी आने और निवेशकों का विश्वास बढ़ने की उम्मीद है। इससे भविष्य में विकास के अवसरों और रणनीतिक पहलों को आगे बढ़ाने के लिए कंपनी की वित्तीय क्षमता को भी मजबूती मिलती है। टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ऊर्जा क्षेत्र की अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों में से एक है, जिसका 3,657 मेगावाट का विविध परिचालन पोर्टफोलियो है, जिसमें जलविद्युत, पवन, सौर, पंप स्टोरेज और थर्मल पावर आदि परियोजनाएं शामिल हैं। कंपनी के पोर्टफोलियो में भारत का पहला वेरिएबल स्पीड पंप्ड स्टोरेज प्लांट भी शामिल है। मजबूत परिसंपत्ति आधार, स्थिर नकदी प्रवाह और विवेकपूर्ण वित्तीय प्रबंधन के बल पर टीएचडीसीआईएल भारत की ऊर्जा सुरक्षा में अपनी भूमिका को मजबूत कर रहा है, और साथ ही देश के ऊर्जा परिवर्तन में भी महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान कर रहा है।

एनसीएल जयंत परियोजना में अंतरक्षेत्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता 2025-26 का हुआ शुभारंभ

बीएनई

सिंगरौली। नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) की जयंत परियोजना में गत सोमवार को छः दिवसीय अंतरक्षेत्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता 2025–26 का शुभारंभ हुआ। यह प्रतियोगिता लीग कम नॉकआउट के आधार पर खेली जा रही है जिसमें एनसीएल की सभी परियोजना एवं इकाइयों से 12 टीमें हिस्सा ले रही हैं। अंतरक्षेत्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता 2025–26 का पहला मैच दूधीचुआ एवं अमलोरी के बीच खेला गया जिसमें दूधीचुआ टीम ने अमलोरी को हराया। वहीं दूसरे मैच में निगाही और ककरी टीम का आमना सामना हुआ जिसमें निगाही ने जीत दर्ज की। इसके साथ ही ब्लॉक–बी और खड़िया के बीच मुकाबले में ब्लॉक बी टीम विजेता रही। इस प्रतियोगिता के दूसरे दिन बीना एवं अमलोरी के बीच मैच हुआ जिसमें बीना ने अमलोरी को हराकर जीत हासिल की एवं सीडबल्यूएस और खड़िया परियोजना के बीच मुकाबले में सीडबल्यूएस ने बाजी मारी। एनसीएल अंतर क्षेत्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता 2025–26 का

फाइनल मैच 17 जनवरी को खेला जाएगा। इस अवसर पर महाप्रबन्धक ((जयंत), दीपक सक्सेना, परियोजना विभागाध्यक्ष, क्षेत्रीय श्रमिक व अधिकारी संघ के पदाधिकारी, एनसीएल स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड के सदस्य व बड़ी संख्या में अधिकारी, कर्मचारी व दर्शकगण उपस्थित रहे। गौरतलब है कि एनसीएल में प्रत्येक वर्ष क्रिकेट, लॉन टेनिस,बैडमिंटन, फुटबॉल, कैरम, वॉलीबॉल, एथलेटिक्स इत्यादि अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है जिससे कर्मियों का शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है तथा उनके व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास भी सुनिश्चित होता है।

योगी सरकार की पहल से रफ्तार पकड़ रही मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना

योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025–26 में 94 नई इकाइयां स्थापित
648.63 लाख का पूंजी निवेश, 2,586 युवाओं को मिला रोजगार
10 लाख रुपये तक बैंक ऋण और ब्याज अनुदान से बढ़ा आत्मनिर्भरता का मार्ग

लखनऊ ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार की प्राथमिकताओं में ग्रामीण रोजगार और ग्रामीण औद्योगिकीकरण सबसे ऊपर है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना वित्तीय वर्ष 2025–26 में उल्लेखनीय गति से आगे बढ़ रही है। इस वित्तीय वर्ष में अब तक योजना के अंतर्गत 94 इकाइयां स्थापित की गई हैं, जिसके तहत 648.63 लाख का पूंजी निवेश संभव हुआ है। इसके माध्यम से 2,586 युवाओं को रोजगार दिलाने में सफलता मिली है। यह आंकड़े बताते हैं कि वित्तीय वर्ष में योजना ने मजबूत प्रगति दर्ज की है और शेष अवधि में लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है।

योग्य बेरोजगार युवाओं को 10 लाख रुपये तक का ऋण

इस योजना ने गांवों में उद्योग स्थापित कराकर स्थानीय युवाओं को उनके ही घर के पास रोजगार उपलब्ध कराने का रास्ता खोला है। योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षित एवं तकनीकी योग्य बेरोजगार युवक–युवतियों को 10 लाख रुपये तक का बैंक ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। योगी सरकार ने उद्यमियों के लिए ब्याज सब्सिडी की बड़ी सुविधा दी है, जिसमें सामान्य वर्ग के उद्यमियों के लिए 4: से ऊपर का ब्याज सरकार देती है, जबकि आरक्षित वर्ग के उद्यमियों का पूरा ब्याज सरकार वहन करती है।

जिला स्तरीय टास्क फोर्स के माध्यम से चयन

योजना में 18 से 50 वर्ष आयु वर्ग के पुरुष एवं महिला उद्यमी पात्र हैं। चयन प्रक्रिया जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय टास्क फोर्स के माध्यम से की जाती है। सामान्य वर्ग को परियोजना लागत का 10 प्रतिशत, जबकि आरक्षित वर्ग को 5 प्रतिशत स्वयं का अंशदान देना होता है। सरकार का

लक्ष्य आने वाले समय में और अधिक युवाओं को इस योजना से जोड़कर स्व–रोजगार आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है।

योगी सरकार का ग्रामीण विकास मॉडल

योगी सरकार ग्रामीण विकास को केवल सड़क और बिजली तक सीमित नहीं रख रही, बल्कि ग्रामीण उद्योगों का नेटवर्क विकसित कर रही है। पारंपरिक कारीगरों व हस्तशिल्पकारों को सशक्त बना रही है। महिला उद्यमिता को बढ़ावा दिया जा रहा है और साथ ही, स्थानीय स्तर पर स्थायी रोजगार सृजन हो रहा है। सरकार का मानना है कि "गांव मजबूत होंगे तो प्रदेश मजबूत होगा।" इसी सोच के साथ मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना को बड़े पैमाने पर विस्तार दिया जा रहा है।

14,599 करोड़ के घोटाले में जेपी इंफ्राटेक के पूर्व एमडी की बढ़ी मुश्किलें, चार्जशीट दाखिल

दिल्ली ब्यूरो

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने सोमवार को जेपी इंफ्राटेक के पूर्व एमडी मनोज गौर के खिलाफ अभियोग शिकायत दर्ज कराई, जो चार्जशीट के समकक्ष है। ईडी ने

गौर को पिछले साल 13 नवंबर को घर खरीदारों के साथ 14,599 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी से जुड़े एक मामले में गिरफ्तार किया था। वह फिलहाल न्यायिक हिरासत में है। एजेंसी की अभियोजन शिकायत प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अंजू बजाज चंदना के समक्ष दायर की गई थी। इसी बीच सत्र न्यायालय ने गौर की जमानत याचिका पर सुनवाई के लिए 17 जनवरी की तारीख तय की है। घर खरीदारों के पैसों का कहां किया इस्तेमाल? केंद्रीय एजेंसी ने आरोप लगाया है कि आवासीय परियोजनाओं के निर्माण और पूरा करने के लिए हजारों घर खरीदारों से एकत्र की गई धनराशि को निर्माण के अलावा अन्य उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किया गया, जिससे खरीदारों के साथ धोखाधड़ी हुई और उनकी परियोजनाएं अधूरी रह गईं। इसमें दावा किया गया कि दो कंपनियों, जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड (जेएएल) और जेपी इंफ्राटेक लिमिटेड (जेआईएल) ने क्रमशः नोएडा और ग्रेटर नोएडा में आवासीय परियोजनाओं– जेपी विशटाउन और जेपी ग्रीन्स के निर्माण के लिए 33,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि एकत्र की। कंपनी और प्रमोटरों पर लगे धोखाधड़ी और आपराधिक साजिश के आरोप ईडी ने जेपी ग्रुप के खिलाफ दिल्ली और उत्तर प्रदेश पुलिस की आर्थिक अपराध शाखाओं (ईओडब्ल्यू) की ओर से दर्ज की गई कई एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की। ये एफआईआर जेपी विशटाउन और जेपी ग्रीन्स परियोजनाओं के घर खरीदारों की ओर से दायर शिकायतों पर आधारित हैं। इनमें कंपनी और उसके प्रमोटरों के खिलाफ आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी और आपराधिक विश्वासघात का आरोप लगाया गया है।

संक्षिप्त

अमेरिका में महत्वपूर्ण खनिज संबंधी बैठक में शामिल हुए अश्विनी वैष्णव, बताया किन मुद्दों पर हुई चर्चा

एजेंसी

वाशिंगटन। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव इन दिनों अमेरिका में है, जहां उन्होंने वाशिंगटन डीसी में अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट की ओर से आयोजित एक अहम बैठक में हिस्सा लिया। यह बैठक क्रिटिकल मिनरल्स संबंधी एक महत्वपूर्ण मीटिंग थी। मीटिंग के बाद केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि किन–किन मुद्दों पर चर्चा की गई। वाशिंगटन में आयोजित इस बैठक में महत्वपूर्ण खनिजों पर चर्चा करने के लिए जी–7 देशों के वित्त मंत्री शामिल हुए। अश्विनी वैष्णव ने बताया बैठक के मुद्दे बैठक की जानकारी देते हुए मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने कुछ देशों के मंत्रियों को महत्वपूर्ण खनिज आपूर्ति श्रृंखला को कैसे लचीला बनाएं, कैसे अच्छी गुणवत्ता के खनिज सबको मिले उस पर एक बैठक बुलाई थी। कई देशों ने अपने अनुभवों को साझा किया। आपूर्ति श्रृंखला को लचीला बनाने के लिए वे लोग क्या कदम उठा रहे हैं और प्रकृति के नजरिए से महत्वपूर्ण खनिजों को रीसायकल करके ज्यादा इस्तेमाल में लिया जा सके, गुणवत्ता पर कैसे फोकस हो सहित कई विषयों पर चर्चा हुई। उन्होंने बताया कि बैठक सकारात्मक रही। अपने बयान में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत में विनिर्माण क्षेत्र विशेषकर इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण तेजी से बढ़ रहा है।

छत्तीसगढ़ में आईपीएल की तैयारी : मुख्यमंत्री साय को आरसीबी का जर्सी भेंट

रायपुर में आईपीएल आयोजन की पहल : मुख्यमंत्री साय को आरसीबी का विशेष आमंत्रण

बीएनई

रायपुर। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) की ओर से मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को टीम का आधिकारिक जर्सी भेंट कर रायपुर में प्रस्तावित आईपीएल मैच के आयोजन के लिए औपचारिक रूप से आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर आरसीबी के वाइस प्रेसिडेंट राजेश मेनन तथा भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) के संयुक्त सचिव प्रभतेज सिंह भाटिया उपस्थित थे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में अंतरराष्ट्रीय स्तर के खेल आयोजनों से युवाओं में खेल के प्रति उत्साह बढ़ेगा, खेल अधोसंरचना को मजबूती मिलेगी और राज्य को राष्ट्रीय खेल मानचित्र पर नई पहचान मिलेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खेल और युवा प्रतिभाओं के प्रोत्साहन के लिए हरसंभव सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है। यह प्रस्ताव रायपुर को एक उभरते हुए स्पोर्ट्स डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

नोवाक जोकोविच ने बिना रैकेट चलाए कैसे रचा इतिहास, क्यों हो रही इस टेनिस स्टार के नाम की चर्चा?

दिल्ली ब्यूरो

नई दिल्ली। टेनिस जगत में फिर एक बार नोवाक जोकोविच ने ऐसा कारनामा किया है जिसका मुकाबला आधुनिक खेल में मिलना मुश्किल है। दिलचस्प यह कि इस रिकॉर्ड के लिए उन्हें 2026 में अब तक रैकेट चलाने तक की जरूरत नहीं पड़ी। जोकोविच ने लगातार 1000 हफ्ते एटीपी टॉप–40 में बने रहकर इतिहास रच दिया है। लगातार 19 साल की स्थिरता यह माइलस्टोन अप्रैल 2006 से शुरू हुआ था, जब 19 वर्षीय जोकोविच पहली बार एटीपी टॉप–40 में दाखिल हुए थे। रोलां गैरोस के अपने पहले ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने के तुरंत बाद उनकी रैंकिंग चढ़ी और तब से, लगभग 19 साल में, वे एक भी हफ्ता इस क्षेत्र से बाहर नहीं गए। इस दौरान टेनिस में युग बदले, खिलाड़ी बदले, सतहों की तेज़ी और फिजिकल डिमांड्स बढ़ीं, लेकिन जोकोविच की स्थिरता लगातार बनी रही। नए सीजन में बिना खेले भी सुर्खियों में 2026 की शुरुआत में जोकोविच ने एडिलेड इंटरनेशनल से हटने का फैसला किया और एटीपी दौरे के शुरुआती टूर्नामेंट

नहीं खेले। इसके बावजूद उनका प्रभाव कम नहीं हुआ। जहां ब्रिस्बेन में डेनिल मेदवेदेव और हांगकांग में एलेक्जेंडर बुब्लिक ने खिताब जीते, वहीं 38 वर्षीय जोकोविच एटीपी रैंकिंग में चौथे स्थान पर बने हुए हैं। उनके आगे फिलहाल कार्लोस अल्काराज, यानिक सिनर और एलेक्जेंडर ज्वेरेव हैं।

हेमा मालिनी ने सनी देओल के साथ अनबन की खबरों पर तोड़ी चुप्पी, बोलीं- मैं धरम जी के बेटों के बेहद करीब...

एजेंसी

दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र का 24 नवंबर 2025 को मुंबई में उनके घर पर निधन हो गया। वे 89 साल के थे। उनके निधन के बाद देओल परिवार के रिश्तों पर लोगों की नजर टिक गई। धर्मेंद्र की पत्नी हेमा मालिनी ने सनी देओल और बॉबी देओल (जो उनकी पहली पत्नी प्रकाश कौर के बेटे हैं) के साथ कथित अनबन की अफवाहों पर खुलकर बात की है। कैसा है धर्मेंद्र के दोनों बेटों संग हेमा का रिश्ता? धर्मेंद्र के निधन के तीन दिन बाद सनी और बॉबी ने मुंबई के ताज लैंड्स एंड होटल में प्रार्थना सभा रखी। उसी दिन हेमा ने अपने घर पर गीता पाठ करवाया। दो हफ्ते बाद उन्होंने दिल्ली में अलग से एक प्रार्थना सभा आयोजित की। इससे परिवार में एकता को लेकर बातें होने लगीं। इन अफवाहों पर हेमा मालिनी ने इंडियन एक्सप्रेस को दिए इंटरव्यू में कहा, श्सनी और बॉबी के साथ मेरा रिश्ता हमेशा बहुत अच्छा और प्यार भरा रहा है। आज भी वैसा ही है। मुझे समझ नहीं आता कि लोग हमारे बीच कुछ गड़बड़ क्यों सोचते हैं। लोग बस गपशप करना चाहते हैं। मुझे उन्हें जवाब क्यों देना चाहिए? कोई सफाई देना जरूरी नहीं है? ये हमारी निजी जिंदगी है। हम सब बहुत खुश हैं और एक–दूसरे के बहुत करीब हैं। धर्मेंद्र

की याद में बनेगा संग्रहालय हेमा ने इस इंटरव्यू में आगे बताया कि सनी देओल अपने दिवंगत पिता धर्मेंद्र की याद में एक संग्रहालय बनाने की योजना बना रहे हैं। हेमा ने यह भी बताया कि सनी जो भी काम अपने पिता को लेकर करेंगे, उन्हें जरूर बताएंगे। फिर सब मिलकर सलाह लेंगे और उसे पूरा करेंगे। धर्मेंद्र की प्रार्थना सभा सनी और बॉबी ने हाल ही में धर्मेंद्र के निधन के बाद पिता की याद में दिल्ली में एक प्रार्थना सभा का आयोजन किया था। यह प्रार्थना सभा डॉ. अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में हुई। मुंबई वाली प्रार्थना सभा में सलमान खान, रेखा, विद्या बालन और ऐश्वर्या राय बच्चन जैसी कई बड़ी हस्तियां आईं। सभा के दौरान हेमा भावुक हो गईं और उन्होंने धर्मेंद्र के साथ बिताए पलों को याद किया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **धर्मेन्द्र सिंह** द्वारा शौर्य प्रिंटर्स, शिवपुरी कालोनी, निकट बांसमण्डी चौराहा, लखनऊ से मुद्रित तथा एमआईजी-47, सेक्टर-ई, अलीगंज, लखनऊ (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादक-अंजू सिंह (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा) Email-lkojunction@gmail.com. RNI NO.-UPHIN/2015/64743